INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-200 | मथुरा, रविवार, 14 सितंबर 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पुलिस ने किया साइबर ठगी का खुलासा

20 करोड़ की ठगी करने वाले दो आरोपी दबोचे गए

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना साइबर क्राइम ने शिव गौरा गौ सेवा ट्रस्ट मथुरा के नाम से भारतीय स्टेट बैंक में फर्जी खाता खुलवाकर करीब 20 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने वाले गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन व दो फर्जी आधार कार्ड भी बरामद हुए हैं। शिव गौरा गौ सेवा ट्रस्ट मथुरा के नाम से भारतीय स्टेट बैंक में फर्जी खाता खुलवाकर करीब 20 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने वाले गैंग के दो सदस्यों गौतम उपाध्याय पुत्र उमाशंकर उपाध्याय निवासी मकान नंबर 87/8 लक्ष्मीपुरम कॉलोनी (नवादा) अडूकी थाना हाईवे व बलदेव पुत्र दलवीर सिंह निवासी ग्राम नगला बैर थाना बलदेव जनपद मथुरा जो अनवीर के मकान लक्ष्मीपुरम कॉलोनी, बीएसएनएल वाली गली थाना हाईवे में रह रहा था। इन दोनों को साइबर थाने की टीम ने बाद कट से बरेली एक्सप्रेस वे की तरफ से गिरफ्तार किया है। इनसे एक मोबाइल फोन व दो फर्जी आधार कार्ड भी मिले हैं।

पुलिस की पकड़ में आए 20 करोड़ की ठगी करने वाले साइबर ठग।

गिरफ्तार अभियुक्तों ने शिव गौरा गौ सेवा ट्रस्ट मथुरा के नाम से भारतीय स्टेट बैंक मथुरा में एक फर्जी खाता खोलकर सीधे साधे लोगों से विभिन्न माध्यम से ऑनलाइन रुपये ठग लिए।

बैंक के इस फर्जी बैंक अकाउन्ट की जानकारी साइबर सेल के उप निरीक्षक राजकुमार पंवार को मिली तो उन्होंने खाते के बारे में भारतीय स्टेट बैंक की कैन्ट शाखा के शाखा प्रबन्धक से जानकारी की। शाखा प्रबन्धक ने बैंक शाखा में शिव गौरा गौसेवा ट्रस्ट लक्ष्मीपुरम कॉलोनी मथुरा के नाम से करंट खाता होना बताया। खाते में तीन व्यक्तियो के संयुक्त नाम गौतम उपाध्याय, शिवम कुमार व गोविन्द कुमार बताये। इस खाते मे दो तीन दिनों में करीब 20 करोड़ क्रेडिट होने पर ट्रांजक्शन पर होल्ड लगाए जाने की जानकारी दी। बैंक खाते को समन्वय पोर्टल पर चेक किये जाने पर एनसीआरपी पोर्टल की करीब 100 साइबर फ्रॉड की शिकायतें दर्ज मिली थीं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार, उप निरीक्षक राजकुमार पंवार, उप निरीक्षक उत्तम सिंह भड़ाना व साइबर थाने की पुलिस शामिल थी।

स्टेट बैंक कैंट शाखा में गौशाला के नाम पर खोल रखा था खाता

20 करोड़ रूपये का ट्रांजेक्शन होने पर हुआ था मैनेजर को शक

साइबर सेल ने खंगाली डिटेल तो सारा मामला सामने आया

सावधान: कबाड़े में बेचे गए खराब मोबाइल आपका सिरदर्द न बन जाएं

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप अपने खराब मोबाइलों को कबाड़े में बेच रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। साइबर ठगी करने वाल इन टूटे और खराब मोबाइलों का लोगों को ठगने में इस्तेमाल कर रहे हैं। मोबाइलों से ठगी होने पर पुलिस आपके घर दस्तक दे सकती है। आजकल शहर की हर गली और मौहल्ले में बाइक से माइक लगा कर कबाड़ा खरीदने वाले कबाड़िया पुराने मोबाइल, इनवर्टर, टीवी आदि इलक्ट्रोनिक उपकरण कबाड़े के दामों में खरीदते देखे जा सकते हैं। आपसे खरीदे गए पुराने और खराब मोबाइल बिक्री कर अच्छे खासे पैसे कमा रहे हैं। इन कबाड़ियों से खराब मोबाइलों को कुछ तो मोबाइल का काम करने वाले दुकानदार खरीद लेते हैं। उसकी वजह है कि मोबाइल से सही पार्ट निकाल कर दूसरे मोबाइलों में लगा कर ग्राहक से अच्छे पैसे वसूल लेते हैं।

यही नहीं पुराने मोबाइल के एमआई नंबरों को भी साइबर ठग दूसरे फोन में लगा कर लोगों के साथ ठगी करने में इस्तेमाल कर रहे हैं। बहुत से मोबाइल तो ऐसे भी कबाड़ियों के पास आ जाते हैं जिनमें मामूली खराबी होती है। इस तरह आपके कबाड़े में बेचे गए मोबाइल साइबर ठगों के हाथों तक पहुंच जाते हैं। आप की छोटी सी गलती का भरपूर फायदा साइबर ठगी करने वाले ठग उठाने से नहीं चूक रहे हैं। पुलिस जब इस तरह के मामलों की जांच करती है तब जाकर मामले खुलते है।

इस तरह साइबर ठगों तक पुलिस को समय से पहुंचने में काफी देर हो जाती है। वहीं अकारण कुछ लोगों के घरों पर पुलिस की दस्तक सुनाई देती है, जबकि उनका साइबर ठगी और ठगों से दूर-दूर का वास्तव नहीं होता।

साइबर ठग कर रहे हैं इनका इस्तेमाल

दुकानदार भी कर रहे हैं इनके पार्ट्स का इस्तेमाल

मरीजों को न बांट नहर की पटरी पर फेंक दीं सरकारी दवाएं

यूनिक समय, मांट। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दवाएं मिल नहीं पा रही हैं और यहां तो गजब हो गया। स्वास्थ्य कर्मियों ने भारी मात्रा में महंगी दवाओं को मांट ब्रांच गंग नहर की पटरी पर फेंक दिया। यह मामला शनिवार को मांट क्षेत्र में सामने आया। इससे पहले जाबरा मांट रोड पर बंबा के पास फेंकी गई थी दवाएं। आखिर इतनी भारी मात्रा में सरकारी दवाएं कहां से लाकर डाली जा रही हैं। मांट राया रोड पर बगीची के पास नहर की पटरी पर शनिवार को लोगों ने ढेर सारी सरकारी दवाएं देखी तो अवाक रह गए। नजदीक

जाकर देखा तो सीरप, कई तरह की गोलियां, कैप्सूल समेत अन्य दवाएं थीं। दूर से फेंके जाने से भारी मात्रा में दवाएं गत्ते से बाहर गिरकर बिखर गईं थीं। उनके रैपर पर उत्तर प्रदेश सरकार साफ-साफ लिखा था और इनमें से कोई भी दवा एक्सपायर नहीं है आखिर इस तरह दवाओं को क्यों फेंका गया है। बताया गया है कि इसमें कई दवाएं ऐसी भी हैं जो जीवन रक्षक दवाओं की श्रेणी में आती हैं। सीएचसी मांट के अधीक्षक डॉ. जीतेश तिवारी ने बताया कि नहर की पटरी पर मिली दवाएं सीएचसी या पीएचसी की न होकर आरोग्य केंद्र को आवंटित दवा हैं, जाँच की जा रही है कि उक्त दवा किस आरोग्य केंद्र को आवंटित की गई थी, जाँच के बाद अधिकारियों को अवगत कराया जायेगा।

दीनदयाल धाम में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियां शुरू

दीनदयाल धाम में मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर तैयारियों का जायजा लेते डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एकात्मवाद के प्रेणता पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 19 सितम्बर के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन अपनी तैयारी में जुट गया है। मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम के मद्देनजर रविवार को तैयारी का जायजा लेने डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार दीनदयाल धाम पहुंचे। जानकारों की मानें तो सीएम योगी आदित्यनाथ यहां युवा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। 18 से 21 सितंबर तक चलने वाले मेला में किसान एवं ग्राम्य विकास प्रदर्शनी भी लगायी जाएगी।

डीएम और एसएसपी ने लिया जायजा

सीएम के आगमन की सूचना पर रविवार की दोपहर जिलाधिकारी सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने दीनदयाल धाम पहुंच कर महोत्सव की चल रही तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर हेलीपेड से समारोह स्थल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान समिति के अध्यक्ष सोहनलाल शर्मा, एडीएम वित्त पंकज वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, सीओ रिफाइनरी सीओ श्वेता भी मौजूद थी।

अभियान | यूनिक समय के यातायात जागरूकता सप्ताह का पांचवा दिन

सभी के सहयोग से अभियान ने गति पकड़ी

यूनिक समय की ओर से चलाए जा रहे यातायात जागरूकता सप्ताह के पांचवें दिन मसानी तिराहा पर गोविंद नगर थाना प्रभारी निरीक्षक राजकमल का स्वागत करते कॉर्डिनेटर अफजाल अहमद। दूसरे चित्र में एक बाइक सवार को हेलमेट की अहमियत बताते प्रभारी निरीक्षक राजकमल, विनोद दीक्षित आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूनिक समय की ओर से चलाए जा रहे यातायात जागरूकता सप्ताह के पांचवें दिन मसानी तिराहा पर अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ गोविंद नगर थाना प्रभारी निरीक्षक राजकमल सिंह ने किया। स्कूल की छात्राओं ने भी शामिल होकर बिना हेलमेट चलने वाले दो पहिया चालकों को जागरूक किया। बिना बेल्ट बांधे कार चलाने वालों को भी रोका। उनको भी गुलाब का फूल देकर भविष्य में बेल्ट बांधकर कार चलाने पर जोर दिया। कॉर्डिनेटर अफजाल अहमद, मुकेश गौतम, ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूक समिति के प्रदेश अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने कहा कि अभियान में सभी का सहयोग मिल रहा है। अभियान में यूनिक समय की तरफ से प्रदीपकांत मिश्रा, पवन शर्मा, मनीष मिश्रा, रवी कुमार, संदीप कुमार, डीग गेट पुलिस चौकी प्रभारी रिकेंश शर्मा, हेड कांस्टेबल अजीत, कॉस्टेबल हरनेश कुमार, लवली पवार, ट्रैफिक कॉस्टेबल विनेश कुमार, सुशील कुमार, छात्र शिवम भारद्वाज, राहुल शर्मा, आरसीए कॉलेज की छात्रा अर्पिता श्रीवास्तव, अंजली, चित्रांशी, कशिश, तान्या, खुशबू आदि शामिल थे।

आरसीए कॉलेज की छात्राओं ने भी लोगों को जागरूक किया

किसान ने जहर खाकर दी जान, मौत

यूनिक समय, बलदेव। बलदेव क्षेत्र के गांव दघेटा में किसान ने देर रात्रि में जहर खा कर जान दे दी। सुबह पांच बजे जब उसकी तबियत बिगड़ी तो परिजन उसे निजी अस्पताल के गए। धर्मवीर पुत्र बलवीर निवासी दघेंटा बलदेव उम्र 45 वर्ष ने देर रात्रि अज्ञात कारणों के चलते जगह खा लिया। जिससे उनकी मृत्यु आगरा अस्पताल में हो गई। मृतक किसान थे। थानाध्यक्ष रंजना सचान ने बताया कि विषाक्त पदार्थ खाने से मृत्यु हुई है। पंचनामा की कार्यवाही कर शव का पीएम करा लिया गया है।

गेस्ट हाउस सहित कई स्थानों पर पकड़ी बिजली चोरी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। विजिलेंस टीम ने बरसाना क्षेत्र में गेस्ट हाउस सहित दो स्थानों पर बिजली चोरी के मामले पकड़ने के लिए छापे मारे। इस कार्रवाई से लोगों में हड़कंप मच गया। विद्युत चोरी की शिकायत मिलने पर विद्युत प्रवर्तन दल प्रभारी शिव कुमार के निर्देशन में जेई किशन कुमार, हिमांशु चौधरी, अमरदीप सिंह, मोहित शर्मा, अर्चना सिंह ने बरसाना क्षेत्र में कार्रवाई की। राजकीय पशु चिकित्सालय के निकट अतिरिक्त केबल लगाकर घर में विद्युत उपयोग किया जा रहा था। इसी क्षेत्र में एक गेस्ट हाउस में चोरी मिली। दोनों स्थानों पर कनेक्शन मिले।

विद्युत चोरी पकड़ने के लिए कार्रवाई करती टीम।

लाखों रुपये का लगाया जुर्माना

लोड करीब छह किलोवाट एवं सात किलोवाट से अधिक मिला। मीटर की इनकमिंग केबल में कट लगाकर विद्युत उपयोग किया जा रहा था। विजिलेस प्रभारी के अनुसार छाता एवं सुरीर में दो–दो स्थानों पर एवं कोसीकलां में भी पांच स्थानों पर चोरी के मामले मिले थे। रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। अधिकतर स्थानों पर स्वीकृत से अधिक लोड मिला है।

मुकुट पूजन के साथ 22 दिवसीय श्रीरामलीला महोत्सव की शुरुआत

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री राम लीला सभा के तत्वावधान में आयोजित 22 दिवसीय श्री राम लीला महोत्सव का मुकुट पूजन के साथ शुभारम्भ हो गया।

प्रातः श्री कृष्ण जन्म स्थान लीला मंच पर श्री गणेश अम्बिका व शोडष मातृका, वरुण, पंचोमकार, नवगृह, कलश पूजन, श्रीराम, जानकी, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न, हनुमानजी, ब्रह्माजी, शिवजी आदि के मुकुट श्रृंगार पोशाक, धनुष बाण, गदा, त्रिशूल आदि का पूजन आचार्य गोविन्द गोस्वामी, प्रणव गोस्वामी एवं लीला स्वामी अनिल कुमार शर्मा ने करा कर स्वरूप व पात्रों का वर्ण बंधन किया। सभा के नीति निदेशक गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, सभापति जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, उपसभापति जुगलकिशोर अग्रवाल, नन्द किशोर अग्रवाल महामंत्री मूल चन्द गर्ग, मंत्री प्रदीप कुमार सर्राफ पी.के., विजय कुमार सर्राफ किरोड़ी, कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल सर्राफ, आय–व्यय निरीक्षक अजय मास्टर, वीरेंद्र अग्रवाल, सोहन लाल कातिव श्रृंगार मंत्री सुरेन्द्र खोना, प्रचारमंत्री पं शशांक पाठक, जुलूस मंत्री विनोद सर्राफ, कार्यालय मंत्री संजय बिजली, अनूप टैण्ट, नागेन्द्र मोहन मित्तल, हेमन्त अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, डॉ अशोक अग्रवाल, श्याम सिंह, अहेरिया कुंबर, नरेन्द्र सिंह, उमाशंकर अग्रवाल, अशोक बंसल, योगेश अग्रवाल, नरेंद्र चौधरी आदि ने पूजन किया। पूजन व्यवस्था में श्रृंगार संयोजक उमेश बिजली वाले, विष्णु शर्मा, रमेश किस्सो तथा नितिन शर्मा ने सहयोग दिया।

श्री कृष्ण जन्म स्थान लीला मंच पर पूजन करते श्रीरामलीला सभा के पदाधिकारी।

राया में 17 से होगा रामलीला का शुभारंभ

यूनिक समय, राया (मथुरा)। श्रीराम लीला कमेटी के तत्वावधान में 114 वीं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन लीलाओं का शुभारंभ 17 सितंबर से गणेश पूजन ध्वजारोहण के साथ होगा। कमेटी अध्यक्ष अभिषेक पाराशर ने बताया कि 17 सितंबर को सायं चार बजे रामलीला मैदान में गणेश पूजन ध्वजारोहण के साथ रामलीला का शुभारंभ हो जायेगा। उसके बाद प्रतिदिन रात्रि को आठ बजे से रामलीला मैदान में लीलाओं का मंचन होगा। 23 सितंबर को सायं चार बजे मथुरा मार्ग गणेशबाग से भगवान श्रीराम की बारात निकलेगी। एक–दो अक्टूबर को प्रसिद्ध काली मेला विजय दशमी मेला का आयोजन किया जाएगा। भरत मिलाप, राम राज्याभिषेक पांच अक्टूबर को स्वरूप विदाई के साथ लीला का समापन होगा।

सीएम की सभा को भाजपा ने कसी कमर, भीड़ का लक्ष्य तय

भाजपा मंडल के कार्यक्रम को संबोधित करते स्मारक निदेशक सोनपाल।

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में 19 सितंबर को आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विराट युवा सम्मेलन को सफल बनाने के लिए भाजपा जिला संगठन ने कमर कस ली है। भीड़ का लक्ष्य तय करने के साथ सभी मंडलों से वाहनों के माध्यम से भीड़ लाने का लक्ष्य तय किया है। रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जिला भाजपा की बैठक हुई। अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने कहा कि सभी मंडलों के प्रभारी और अध्यक्ष सोमवार को संगठन की बैठक कर लें। विराट युवा सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को लाने का लक्ष्य तय कर लें। वाहनों की संख्या भी इस दौरान तय कर ली जाए। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरीशंकर यादव उर्फ राजू यादव ने संगठन के सभी अध्यक्षों को विराट युवा सम्मेलन में सहभागिता का लक्ष्य दिया। सभी से वाहन और कार्यकर्ताओं की संख्या पर बात की। स्मारक निदेशक सोनपाल ने कहा कि यह राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। जनसंघ के संस्थापक पं. दीनदयाल उपाध्याय का कार्यक्रम है, जिसे इस दृष्टि से सफल बनाने में योगदान निभाना है।

मेला कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक ने पदाधिकारियों से कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की संख्या पूर्व से ही बताएं, जिससे व्यवस्थाएं सहेजी जा सके। उन्होंने कहा कि पंडाल में पांच हजार लोगों के बैठने का इंतजाम किया गया है। संचालन जिला महामंत्री महिपाल सिंह ने किया। बैठक में नरेश कटारा, लाल सिंह तरकर, मनीष ओझा, पारस ठाकुर के अलावा कोसी, वृंदावन, सुरीर, बल्देव, राया, गोवर्धन आदि मंडलों के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विद्या भारती ब्रज प्रदेश द्वारा प्रेरक कार्यशाला

सकारात्मक सोच और समय का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। विद्या भारती ब्रज प्रदेश के शिक्षण–प्रशिक्षण विभाग द्वारा शैक्षिक उन्नयन एवं नवाचार के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रेरक कार्यशाला का आयोजन श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में किया गया। प्रान्त सह संवाददाता उमेश शर्मा के अनुसार कार्यशाला का शुभारंभ शिक्षण–प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. अजय शर्मा, शिवेन्द्र गौतम, डॉ. हरीश सारस्वत, धर्मेंद्र बंसल, अमित कुलश्रेष्ठ, कपिश्वर एवं सह प्रमुख विनय कुमार सिंह ने किया।

कार्यशाला पाँच सत्रों में संपन्न हुई। उद्घाटन एवं समापन सत्र के अतिरिक्त, विज्ञान के आचार्यों और कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए समानांतर तीन–तीन सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा एनसीएफ के अनुरूप पंचपदी शिक्षण पद्धति, प्रयोगात्मक अधिगम और विज्ञान प्रयोगशालाओं के संवर्धन पर बल दिया गया। आचार्यों ने संकल्प लिया कि विद्यालयों को विज्ञानमय बनाने और छात्रों को प्रयोगधर्मी बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

कार्यशाला में भाग लेते पदाधिकारी।

प्रथम सत्र में डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि कम अंक आने का कारण प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि अस्वस्थता, दोषपूर्ण तैयारी और मानसिक दबाव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमित अभ्यास और अनुशासन से ही सफलता मिलती है। द्वितीय सत्र में प्रबंधक शिवेंद्र गौतम ने छात्रों को समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच और आनंदपूर्वक अध्ययन का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आचार्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों की विशेषताओं को पहचानकर उन्हें प्रेरित करना भी है। तृतीय सत्र में मोटिवेशनल स्पीकर अजय सुमन शुक्ला ने बताया कि सफलता का वास्तविक आधार समर्पण, परिश्रम और गुरुजनों के प्रति सम्मान है। समापन सत्र में डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि बोलने से अधिक क्रियान्वयन का महत्व है और सभी सहभागी विद्यालयों में कार्यशाला के बिंदुओं को लागू करें।

कार्यक्रम संयोजक विनय कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला में मथुरा संकुल के 14 विद्यालयों से 102 छात्र–छात्राओं और 23 आचार्यों ने सहभागिता की।

टेट अनिवार्यता के विरोध में कल शिक्षक संगठन देंगे ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले जिले के विभिन्न शिक्षक संगठन टेट की अनिवार्यता के खिलाफ एकजुट हुए। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 सितम्बर 2025 को दिए गए आदेश में टेट को अनिवार्य करने के निर्णय के विरोध में 15 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक संगठनों में शिक्षक सेल्फ केयर टीम, प्राथमिक शिक्षक संघ, महिला शिक्षक संघ, यूटा शिक्षक संघ, अनुसूचित जनजाति बेसिक शिक्षक संघ, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा जिलाधिकारियों को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। डॉ. कमल कौशिक, अंजना शर्मा, सोनल शर्मा, नेम सिंह, योगराज सिंह, इंद्रपाल सिंह, लोकेश गोस्वामी, दिव्या मिश्रा, प्रीति भटनागर, मुनीश चौधरी, अंशुल गौतम, हेमराज सिंह, गोवर्धन दास गुप्ता, गोविंद सिंह, गौरव यादव, प्रदीपिका, रानी फौजदार आदि रहेंगे।

भक्तों का आग्रह: बांके बिहारी महाराज को फिर से लगे शुद्ध अमनिया भोग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। जन जन के आराध्य ठाकुर बांके बिहारी महाराज के मंदिर में पिछले दो–ढाई दशकों से बंद पड़ी हुई भोगभंडार की प्राचीन परम्परा अति शीघ्र बहाल कराई जाए। ताकि आराध्य प्रभु को पूर्व की भाँति शुद्ध – पवित्र अमनिया पदार्थों का भोग लगाकर उसे दिव्य प्रसाद स्वरूप में परिवर्तित करते रहें। यह आग्रह करते हुए सेवायत इतिहासकार आचार्य प्रहलादबल्लभ गोस्वामी ने कहा कि मंदिर के

निजी भोग भंडार में निर्मित भगवान के प्रसाद रूप में उत्तम किस्म की दिव्य सामग्री प्राप्त कर

बांके बिहारी के मंदिर में भोग भंडार की प्राचीन परम्परा बहाल हो

भक्तजन भी धन्य हो उठेंगे। विश्वास है मौजूदा हाई पावर्ड टैम्पल मैनेजमेंट कमेटी इस समयोचित आवश्यकता पर निश्चित ही ध्यान देगी। इतिहासकार के अनुसार बीते करीब बीस वर्ष पहले तक मंदिर के तीन नंबर गेट के निकट संचालित होते रहे भोग भंडार में शुद्ध देशी घी से निर्मित दैनिक पारस, पक्की रसोई–पकवान, सोहनहलुआ, बालूशाही, मठरी, विभिन्न तरह के लड्डू, राधाअष्टमी पर विशेष चावचबैनी, शरदपूर्णिमा पर चंद्रकला, बिहारीपंचमी पर बादाम– मूंगदाल – सूजी के मोहनभोग–हलुआ एवं खोआ के लड्डू – पेड़ा, कुलैया, खीरसागर इत्यादि अमनिया सामग्री तैयार की जाती थी। मंदिर प्रांगण में कई पर्चीकट घर (केबिन) बने हुए थे। जहाँ पर्ची कटाकर कोई भी सेवायत और आमभक्त आराध्य की भोग लगी हुई प्रसाद सामग्री अत्यंत सहजता से प्राप्त कर लेते थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त तक ठाकुर बांके बिहारी महाराज सिर्फ़ अपने भोगभंडार में बनी सामग्री का ही भोग लगाते थे, बाहर के पदार्थों का नहीं। परन्तु बीते लम्बे समय से भोगभंडार बंद पड़ा है, जिसके चलते ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शनार्थ आने वाले असंख्य भक्तों को बाजार में बने पदार्थों का भोग लगाकर अपने घर ले जाना पड़ता है।

शहर में ट्रैफिक पुलिस ने चलाया वेरिफिकेशन अभियान

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर में ट्रैफिक पुलिस ने आज चौराहों पर ऑटो और ई–रिक्शा वाहनों का वेरिफिकेशन अभियान चलाया। पुलिस ने इस तरह से करीब 300 वाहनों का वेरिफिकेशन किया। इसके साथ अन्य ड्राइवर और मालिकों को भी वेरिफिकेशन कराने को कहा है। शहर में होने वाली दुर्घटना के बाद ऑटो और ई–रिक्शा चालकों के भाग जाने के बाद उनका पता लगाने में काफी समय लगता है। इसके साथ ही अनेक वाहन ऐसे हैं, जो कई–कई लोगों को बेच दिए जाने के बाद भी पहले ही मालिक के नाम पर रजिस्टर्ड

भूतेश्वर तिराहे पर टैंपो व ई–रिक्शा का वेरिफिकेशन करते टीएस आई रामवचन और ट्रैफिक पुलिस कर्मी।

रहते हैं।

दुर्घटना होने पर पुलिस उसके रजिस्टर्ड मालिक को तलाशती है, जबकि वाहन किसी का होता है। इस तरह की परेशानियों को रोकने के लिए एसएसपी श्लोक कुमार और एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार ने ट्रैफिक पुलिस को रोड पर चलने वाले ऑटो और ई–रिक्शों का वेरिफिकेशन करने के निर्देश दिए हैं। इसके चलते भूतेश्वर तिराहे पर एसआई

300 से अधिक वाहनों का किया गया वेरिफिकेशन

रामबचन और एसआई मुकेश कुमार ने एचसी संतोष कुमार व सुमित कुमार आदि के साथ करीब 300 वाहनों का वेरिफिकेशन किया। रामबचन ने बताया कि जिन वाहनों की फिटनेस नहीं थी, अथवा रजिस्टर्ड मालिकों के आधार कार्ड नहीं थे। उनका वेरिफिकेशन नहीं किया गया है। उन्हें वाहन की फिटनेस और रजिस्टर्ड मालिक के आधार कार्ड लाकर वेरिफिकेशन कराने को कहा गया है।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पदयात्रा को लेकर मंथन

बागेश्वर सरकार की पदयात्रा की व्यवस्था पर मंथन करते प्रदेश के गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी।

संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की नवंबर में निकलने वाली दिल्ली से वृन्दावन तक की पदयात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने बरसाना के संतों के साथ बैठक कर मंथन किया। शनिवार को प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने अपनी टीम के साथ श्री माताजी गौशाला पहुंचकर पद्मश्री संत रमेश बाबा के उत्तराधिकारी ब्रजशरण दास राज बाबा के साथ बैठक कर यूपी स्थित सीमा में बागेश्वर महाराज की पदयात्रा के पड़ने वाले पड़ावों की व्यवस्था को लेकर चर्चा की। प्रदेश मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि बागेश्वर धाम सरकार हमारी प्राचीन संस्कृति एवं सनातन धर्म को लेकर बेहद गंभीर हैं। देश में लव जिहाद, गाय माता को राष्ट्र माता का दर्जा, भारत को हिंदू राष्ट्र की मान्यता, यमुना की निर्मल अविरल धारा के साथ अनेक गम्भीर उद्देश्यों के लेकर 140 दूरी की पदयात्रा करने जा रहे हैं। इसलिए हम ब्रजवासियों का कर्तव्य है कि ब्रज सीमा में

यूपी में प्रवेश करने पर होगा स्वागत

मंत्री लक्ष्मीनारायण ने संतों के साथ बैठक की

पदयात्रा के पड़ने वाले पड़ाव स्थलों में पदयात्रियों की उचित व्यवस्था हों। उत्तराधिकारी ब्रजशरण राज बाबा ने आश्वत करते हुए कहा कि मान मंदिर सेवा संस्थान भोजन प्रसाद के साथ अन्य जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएगा। केआरएस ग्रुप के चेयरमैन जयप्रकाश त्यागी ने कहा कि उनका ग्रुप हरियाणा के फरीदाबाद और उत्तर प्रदेश की सीमा में पदयात्रियों को उचित व्यवस्था देकर स्वागत करेगा। श्रीराधा ग्रुप के संस्थापक नरेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि श्री राधा ग्रुप गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रसाद एवं ठहरने के लिए आवश्यक व्यवस्था कर स्वागत करेगा। इस अवसर पर मान मंदिर सेवा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री, सचिव सुनील सिंह, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, क्रय विक्रय कमेटी के पूर्व चेयरमैन प्रीतम प्रधान आदि लोग मौजूद थे।

वार्षिकोत्सव में झलकी प्रतिभा, पुरस्कार वितरण के साथ समापन

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं कॉलेज की छात्राएं।

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा स्थित सेठ प्रेम सूख दास भगत इंटर कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। खेल प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने दम दिखाया और पुरस्कार जीते। तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ खेल प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। दो दिन तक चली प्रतियोगिताओं में शतरंज में हाईस्कूल के कुलदीप प्रथम, अमित द्वितीय, इंटरमीडिएट के बॉबी देओल प्रथम, सुमित कुमार द्वितीय, पंजा लड़ाने में इंटर के तेजवीर और हाईस्कूल के सूरज विजेता रहे। गोला फेंक में हाई स्कूल के नारायण सिंह प्रथम, भास्कर द्वितीय, चकती फेंक में नारायण सिंह प्रथम, मोहित तरकर द्वितीय, गोला फेंक में इंटरमीडिएट के तेजवीर प्रथम, शिवा द्वितीय स्थान पर रहे। चकती फेंक में इंटरमीडिएट के बॉबी देओल प्रथम, मनीष द्वितीय स्थान पर रहे।

100 मी बालिका रेस में कक्षा सात की अंजलि प्रथम और कक्षा आठ की राधिका द्वितीय स्थान पर रही, जबकि जूनियर 200 मीटर में बादल प्रथम, दीपक दूसरे स्थान पर रहे। 400 मीटर में भास्कर प्रथम और लकी दूसरे स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग की 200 मीटर में प्रदीप प्रथम, लवकुश कुशवाहा दूसरे स्थान पर और 400 मीटर में विशाल प्रथम, प्रदीप दूसरे स्थान पर आए। 800 मीटर में कृष्णकांत सिंह प्रथम, लवकुश दूसरे स्थान पर रहे। सब जूनियर चैंपियनशिप कक्षा आठ के दीपक ने जीती। रस्सी कूद में गोपी प्रथम, रिंकी द्वितीय, अंजलि तृतीय, कबड्डी में कक्षा नौ की टीम कक्षा 10 की टीम को हराकर विजेता बनी है। प्रधानाचार्य मंजू ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन गया प्रसाद मौर्य ने किया। इस मौके पर विद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष भरत भगत आदि उपस्थित थे।

रोडवेज बसों की कमी से ग्रामीण और छात्र परेशान

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। कस्बा सुरीर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रोडवेज बसों का सही ढंग से संचालन न होने के कारण क्षेत्र के लोग परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मथुरा के लिए केवल एक–दो रोडवेज बसें ही नियत हैं, जो सुबह जल्दी निकल जाती हैं। इसके बाद शाम तक यात्रियों और स्कूली छात्र–छात्राओं को प्राइवेट साधनों का सहारा लेना पड़ता है। सुरीर क्षेत्र के टैटी गांव, मीरपुर, भगतनगरिया, भिदोंनी, सिहांविन, नगला नाहरिया, तेहरा, सिकंदरपुर सहित दूरदराज के गांवों के लोगों को कोर्ट–कचहरी और छात्र–छात्राओं को मथुरा स्थित शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने में बड़ी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने बताया कि रोडवेज बस सुविधा के अभाव में उन्हें तीन–चार जगह साधन बदलने पड़ते हैं। छोटे वाहन जैसे टेंपो, ई-रिक्षा आदि से सफर करना पड़ता है, जिनमें मनमाना किराया लिया जाता है, और इसके बावजूद यात्री समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते हैं। ग्रामीण भूपेंद्र सिंह राजपूत, मुकुट सिंह तथा देवी दयाल आदि लोगों का कहना है कि रोडवेज बसें न मिलने से आम जनता और छात्र–छात्राओं का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है, उन्होंने प्रशासन व रोडवेज अधिकारियों से इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान कराने की मांग की है।

वांछित बलात्कारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस ने बलात्कार के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गौरव निवासी नंद नगरिया थाना मांट बलात्कार के एक मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस को उसकी तलाश थी। पुलिस ने एक सूचना के आधार पर पानी गांव रोड से उसे गिरफ्तार कर लिया।

आगरा मंडल में बिना टिकट यात्रा पर रेलवे की बड़ी कार्रवाई

744 यात्रियों से 3.75 लाख रुपये जुर्माना वसूला

यूनिक समय ब्यूरो

यूनिक समय, आगरा/मथुरा। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन में आगरा मंडल के मुख्य स्टेशनों आगरा छावनी, आगरा किला, मथुरा जंक्शन एवं ईदगाह जंक्शन पर बिना टिकट/अनियमित यात्रा/बिना बुक सामान ले जाने वाले एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के विरुद्ध मेगा किलाबंदी टिकट जांच अभियान चलाया गया।

इससे अनियमित टिकट यात्रियों में हड़कंप मचा रहा। कुछ यात्रियों ने भागने की कोशिश की जिन्हें पकड़कर निर्धारित जुर्माना वसूला गया। जांच अभियान में आगरा छावनी स्टेशन पर 196 बिना टिकट यात्रियों से 135785 रु, अनियमित यात्रा करने वाले 172 यात्रियों से 81890 रु तथा रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले 12 यात्रियों से 1800 रु सहित 380 यात्रियों से 219475 रुपये जुर्माना वसूला गया।

आगरा किला स्टेशन पर 30 बिना टिकट यात्रियों से 18110 रुपये, अनियमित यात्रा करने वाले 67 यात्रियों से 30980 रु तथा रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले 01 यात्री से 100 रु सहित 98 यात्रियों से 49190 रु जुर्माना वसूला गया। मथुरा जंक्शन स्टेशन पर 139 बिना टिकट यात्रियों से 52335 रु, अनियमित यात्रा करने वाले 38 यात्रियों से 16240 रु तथा रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले 09 यात्रियों से 1100 रु सहित 186 यात्रियों से 69675 रु जुर्माना वसूला गया। ईदगाह जंक्शन आगरा पर 43 बिना टिकट यात्रियों से 22270 रु, अनियमित यात्रा करने वाले 29 यात्रियों से 13980 रु तथा रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले 08 यात्रियों से 1000 रु सहित कुल 80 यात्रियों से 37250 रु जुर्माना वसूला गया।

जांच अभियान में 408 बिना टिकट यात्रियों से 228500 रु, अनियमित यात्रा करने वाले 306 यात्रियों से 143090 रु तथा रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले कुल 30 यात्रियों से 4000 रु सहित कुल 744 यात्रियों से कुल 375590 रु का जुर्माना वसूला गया। यह जानकारी जनसंपर्क अधिकारी कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव ने दी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा हरकेश मौर्या के निर्देशन एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक वीरेंद्र सिंह चौहान और सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग संजय गौतम के सुपरविजन में मंडल वाणिज्य निरीक्षक आर के सिंह के साथ मुख्य टिकट निरीक्षक हरती मीना, एस के वर्मा, संजीव अग्रवाल, गुलज़ार मोहम्मद, बलजीत सिंह, ईश्वरी प्रसाद, नागेन्द्र तिवारी, हेमंत कुमार समेत रेलवे सुरक्षा बल के जवान मौजूद थे।

वृंदावन में विद्युत कार्यों का एसई ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। नगरीय विद्युत वितरण मंडल के अधीक्षण अभियंता (एसई) इंजी. आरपी सिंह ने रविवार को वृंदावन में कार्यदायी संस्था द्वारा कराए जा रहे विद्युत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति जानी और गुणवत्ता की जांच की। चैतन्य विहार में जर्जर पोल बदले जा रहे थे, जबकि मणि विहार में पुरानी केबल के स्थान पर नई केबल डाली जा रही थी। एसई ने निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीओ वृंदावन संदीप वार्ष्णेय और जेई सुनील भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि कार्यों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जल्द ही इन्हें पूर्ण किया जाएगा।

बलदेव में अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारी

वार्षिक पत्रिका का विमोचन करते पदाधिकारी।

वार्षिक पत्रिका 'प्रयास' का विमोचन

यूनिक समय, बलदेव। अग्रवाल समाज सेवा समिति (रजि.) बलदेव द्वारा पंचदिवसीय अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में समिति की वार्षिक पत्रिका 'प्रयास' का विमोचन होटल देवी कृपा में धूमधाम से किया गया। अध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने बताया कि इस बार महोत्सव को और अधिक भव्य बनाने का संकल्प लिया गया है, जिसमें समाज के सभी वर्गों का सहयोग अपेक्षित है। महामंत्री पवन गोयल ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रतिस्पर्धात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी को पूरे उत्साह के साथ भाग लेने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता जगदीश प्रसाद अग्रवाल (मिश्री वाले) ने की। विमोचन समारोह में राकेश गर्ग, डॉ. के.के. अग्रवाल, डॉ. दीपक आर्य, नवीन अग्रवाल, दुर्गेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, बलदेव अग्रवाल, बांकेलाल गोयल, विनोद गर्ग (टीवीएस), दिनेश चंद्र मिश्री वाले, सुनील गर्ग, सुभाष चंद्र कासिमपुर वाले, संजय गर्ग, तरुण सिंघल, मनीष अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंग्रेजी के साथ हिंदी का भी ज्ञान अवश्य होना चाहिए

किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी दिवस समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते वक्ता।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। हिंदी दिवस पर किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग के तत्वावधान में काव्य-पाठ प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कवि सुनील कुमार कर्दम ने मां वीणापाणि की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल, हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. शशि किरण ने हिंदी दिवस की महत्ता और हिंदी भाषा से जुड़ी रोजगार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कहा कि हमारे देश की राष्ट्र भाषा हिंदी है। ये भाषा सभी को आनी चाहिए। प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने कहा कि हिंदी दिवस को केवल 14 सितंबर या सितंबर माह तक सीमित न रखा जाए, बल्कि वर्ष भर हिंदी के प्रति गर्व और सम्मान की भावना बनी रहनी चाहिए। हिंदी हमारे राष्ट्रीय गौरव और अस्मिता की प्रतीक है। प्रो. डॉ. कामना पंड्या, प्रो. डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी का सभी को ध्यान होना चाहिए। डॉ. शशि किरण ने कहा कि हिंदी विभाग की यह पहल विद्यार्थियों के साहित्यिक विकास और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर साबित होगी। संचालन डॉ. हिमांशु तिवारी तथा डॉ. शिव प्रसाद ने किया।

काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण

सांझी संवाद के समापन पर आयोजित विविध कार्यक्रम

गो.हित हरिवंश महाप्रभु जन्मस्थल बाद ग्राम में साँझी का अवलोकन करते विद्वतजन।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान द्वारा आयोजित आठ दिवसीय साँझी महोत्सव के अंतर्गत चल रहे साँझी संवाद के समापन पर रविवार को श्रीहित हरिवंश महाप्रभु की जन्मस्थली बाद ग्राम में पुष्प, रंग तथा जल साँझी प्रस्तुतिकरण के साथ ही 'रसोपासना में साँझी का स्वरूप' शीर्षक संगोष्ठी, समाज गायन एवं वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए। संगोष्ठी के दौरान विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि वृन्दावन शोध संस्थान द्वारा ब्रज की साँझी परंपरा के संरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि साँझी ब्रज की परम्परागत कला है। इसे बचाने तथा संरक्षण के लिए नई पीढ़ी के आगे आने की आवश्यकता है। डॉ. चन्द्रप्रकाश शर्मा, आचार्य सुकृतलाल गोस्वामी, महंत श्रीलाड़िलीशरण महाराज ने भी सांझी पर विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ समाज गायन से हुआ। कार्यक्रम में पुष्प साँझी अंतर्गत अष्ट सखी मण्डल में राजभोग सेवा, रंग साँझी में मानिनी राधा एवं जल साँझी में श्रीहित हरिवंश महाप्रभु का प्रस्तुतिकरण गिरीश पाठक ने किया। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. राजेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर सिंहपौर हनुमान मन्दिर के महंत सुंदरदास, महामंडलेश्वर रामस्वरूप ब्रह्मचारी, महंत काका जी, राधावल्लभ वशिष्ठ, खेलन बिहारी मुखिया, हरीमोहन पाठक तथा संजय शर्मा आदि उपस्थित थे।

गो.हित हरिवंश महाप्रभु जन्मस्थल बाद ग्राम में सम्पन्न साँझी महोत्सव

किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो. (डॉ.) लकी गुप्ता के निर्देशन में 13 सितंबर को हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। छात्राओं ने भावपूर्ण काव्यपाठ प्रस्तुत कर वातावरण को हिंदीमय बना दिया। हिंदी दिवस अवसर पर 11 और 12 सितंबर को विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। निबंध प्रतियोगिता का विषय 'वर्तमान समय में हिंदी भाषा की प्रासंगिकता' रहा, जिसमें पिंकी सिंह (प्रथम), माधुरी (द्वितीय), खुशबू और अलशिफा (संयुक्त तृतीय) रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में सैरीन (प्रथम), वंदना (द्वितीय) और बबीता (तृतीय) स्थान पर रहीं। स्लोगन प्रतियोगिता में पिंकी सिंह (प्रथम), खुशबू (द्वितीय), राधिका शर्मा और पलक नूर (संयुक्त तृतीय) स्थान पर रहीं।

इस अवसर पर एनएसएस इकाइयों के तत्वावधान में विचार गोष्ठी का भी आयोजन हुआ। एनएसएस अधिकारी डॉ. रितु सुरेश ने छात्राओं को हिंदी और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. निधि शर्मा, डॉ. ज्योतेश चौहान, श्रीमती रुमी जायसवाल, डॉ. शीला देवी और डॉ. अंजना नायक का विशेष योगदान रहा।

बांके बिहारी मंदिर से जुड़ी सभी चल-अचल सम्पत्तियों की बनेगी सूची

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। जन जन के आराध्य ठाकुर बांके बिहारी महाराज के मंदिर के कुशल प्रबंधन हेतु गठित हाई पावर्ड टैम्पल मैनेजमेंट कमेटी की 11 सितंबर को सम्पन्न हुई बैठक में पारित किए गए आदेश के अनुपालन में एक पखवाड़े के भीतर ठाकुरजी से जुड़ी समस्त चल-अचल सम्पत्तियों की सूची बनाई जाएगी। इस क्रम में मंदिर की वृन्दावन सहित अनेक जगहों पर बिखरी पड़ी सम्पत्तियों सहित प्रबंधक कमेटी द्वारा करीबन सात दशक पहले स्थापित किए गए श्रीकुँजबिहारी संस्कृत पाठशाला, संगीत विद्यालय, दैनिक शिक्षा साहित्य केंद्र व पुस्तकालय से संबंधित दस्तावेज भी निश्चित खंगाले जाएंगे। मंदिर के अधिकार क्षेत्र से लगभग लापता हो चुकीं इन प्राचीन धरोहर, पाठशालाओं व पुस्तकालय को खोजकर व्यवस्थित स्वरूप में संचालित करने के संबंध में ठाकुरजी के सेवायत एवं सेवा परम्परा व मंदिर संस्कृति के गहन जानकार इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी की ओर से बीते लम्बे समय से माँग उठाई जाती रही है।

सात दशक पहले स्थापित कुंजबिहारी संस्कृत, संगीत, साहित्य विद्यालय व पुस्तकालय के खंगाले जाएंगे दस्तावेज

इस लोकहितैषी माँग पर वर्ष 2022 में प्रदेश शासन के सचिवालय स्तर से गहनता पूर्वक जाँच भी की जा चुकी है। अब नवीन कमेटी के निर्णय के बाद प्रायः ठंडे बस्ते में पड़े हुए ऐसे अनेक गर्म मुद्दे बाहर आने को बेताब दिखाई दे रहें हैं, इसके चलते स्थानीय समाज में भी उक्त आदेश चर्चाओं के केंद्र में आ चुके हैं।

इतिहासकार आचार्य प्रहलादबल्लभ गोस्वामी बताते हैं कि ठाकुर बांके बिहारी महाराज की सेवार्थ उनके प्राकट्यकाल से लेकर अब तक बहुत सी चल-अचल संपत्तियां भेंट व दान में प्राप्त हुई हैं। प्रभु सेवार्थ भूमि, भवन, मंदिर, खेत, कीमती आभूषण आदि भेंट करने वाले भक्तों में हिंदू राजा-महाराजाओं के साथ-साथ मुस्लिम नवाबों के नाम भी शामिल हैं। परन्तु प्रबंधकीय उपेक्षा तथा सामाजिक उदासीनता की वजह से ठाकुर बांके बिहारी महाराज और उनके प्राकट्यकर्ता रसिकशेखर श्रीस्वामी हरिदासजी महाराज के घराने की देश-विदेश में मौजूद अरबों रूपये की तमाम प्राचीन ऐतिहासिक संपत्तियां पिछले लंबे समय से स्वयं के कल्याण की बाट जोहते हुए अपने तारनहार का इंतजार कर रहीं हैं।

इतिहासकार आचार्य प्रहलादबल्लभ गोस्वामी बताते हैं कि वृन्दावन के अतिरिक्त अन्य अनेक स्थानों पर भी श्रीबिहारीजी के मंदिर व सम्पत्तियाँ हैं। इनमें राधाकुंड में बीच संगम स्थल पर मंदिर, दिल्ली के फराशखाने में मंदिर -भवन, वर्तमान पाकिस्तान के मुल्तान, शक्कर सिंध एवं सियालकोट में मंदिर -हवेली आदि तो अत्यंत ऐतिहासिक और पुरातन हैं। इन सभी स्थानों का प्रमाणित विवरण अनेक ग्रन्थों में उपलब्ध है, यदि सरकार चाहे तो श्रीहरिदास बिहारीजी महाराज से संबंधित उक्त समस्त स्थलों को सरंक्षित किया जा सकता है।

फांसी के फंदे पर झूलीं दो महिलाएं

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव कोसीखुर्द में एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। वहीं एक अन्य महिला ने छाता कोतवाली के शुगर मिल के सामने खाली पड़े खेत में महिला ने पति से झगड़े के बाद फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। थाना मगोर्रा के कोसीखुर्द में कविता (22) निवासी पालखेड़ा थाना नौहझील अपने दोस्त कान्हा के साथ पिछले पांच माह से रह रही थी।

शनिवार को कविता ने कमरे में लगे पंखे से साड़ी बांधकर फाँसी लगा ली।

एक मगोर्रा और दूसरी छाता क्षेत्र में

परिवार के लोगों को जब इस बात का पता लगा तो उनमें हड़कंप मच गया। युवती की मौत की सूचना पुलिस को दी गई।

मौके पर पहुँची पुलिस ने मृतका के शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। परिवारीजनों का कहना है कि वे सभी नीचे कमरे में रहते हैं। कविता ऊपर के कमरे में रहती थी। थाना प्रभारी हरीश चौधरी का कहना है कि संदिग्ध परिस्थितियों के चलते युवती ने फांसी लगा ली। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में कोई कार्रवाई करेगी। दूसरी घटना में छाता शुगर मिल के सामने खाली पड़े एक खेत में एक महिला ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।

बताया गया कि महिला मोहिनी(32) निवासी बेगमपुर थाना करहल मैनपुरी पत्नी पूरन सिंह किसी निजी अस्पताल में बीमारी का इलाज कराने के लिए आई थी। मोहनी का किसी बात को लेकर पति पूरन सिंह के झगड़ा हो गया। आक्रोशित महिला ने फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नि :स्वार्थ सेवा संस्था ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

यूनिक समय, नौहझील। यमुना में आई बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। किसानों की खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, घरों में पानी भरने से लोगों का सामान नष्ट हो गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के सामने भोजन का संकट खड़ा होने से प्रशासन के साथ-साथ क्षेत्रीय लोग और सामाजिक संगठन भी पीड़ितों की मदद में जुटे हुए हैं। बीते तीन-चार दिनों से निःस्वार्थ सेवा संस्था लगातार बाढ़ प्रभावित गांवों में जाकर राहत सामग्री बांट रही है। संस्था के अध्यक्ष कृष्णा चौधरी ने बताया कि संस्था के सदस्यों ने मिलकर बाबूगढ़, छिनपारई, फिरोजपुर, मंगलखोह अड्डा, मल्हान अड्डा, मीणा अड्डा, जाटव डांगोली, जयसिंहपुरा, मथुरा, वृंदावन तथा तटीय गांवों में जाकर राहत सामग्री एवं जरूरत का सामान पहुंचाया है। इस दौरान सचिन चौधरी, सतीश चौधरी, सत्तो मास्टर, गोविंद फौजी, नितेश प्रधान, रामगोपाल भगत, राजकुमार, सुभाष, डॉ.प्रेम सिंह चौधरी आदि मौजूद थे।

रालोद छोड़ कांग्रेस का थामा दामन

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के साथ शामिल हुए कार्यकर्ता।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के संगठन विस्तार अभियान के तहत रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित साप्ताहिक बैठक में नरेंद्र राघव, अभय प्रताप सिंह, राजकुमार भरंगर तथा अज़ीम कुरैशी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस की निष्ठा से सेवा करने का संकल्प लिया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि जिस प्रकार देशभर में कांग्रेस की लहर है, उसी तरह मथुरा में भी लोगों का

बाढ़ पीड़ितों के लिए आंदोलन की तैयारी

कांग्रेस की तरफ ध्यान आता जा रहा है। बैठक में मनोज गौड़, विक्रम वाल्मीकि, प्रेम शंकर शर्मा, राखी चौहान, महेश चौबे, पंकज चौधरी, करण निषाद, राजबहादुर प्रधान, रोशन लाल, बलबीर सिंह, हरपाल सिंह, सुरेश शर्मा, विवेक सिंह, रमेश कश्यप, आशीष अग्रवाल, मुस्लिम कुरैशी तथा शाहिद आदि उपस्थित थे।

गोवर्धन के जमुनावता गांव में खड़ी बाइक में लगी आग, दो पशु झुलसे

गांव जमुनावता में आग लगने के बाद का नजारा।

कार्यालय प्रतिनिधि

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र के ग्राम जमुनावता में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मकान में खड़ी बाइक में अचानक आग लग गई। यह घटना आज सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। घटना के समय मकान स्वामी राजू पुत्र भगवान सिंह अपने परिवार सहित घर में सो रहे थे। आग की लपटें देखकर पड़ोसियों ने शोर मचाया और मकान मालिक को सूचना दी। सूचना मिलते ही घर में अफरा-तफरी मच गई। राजू ने तुरंत घर की मोटर चलाकर किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। आग की चपेट में आने से मकान में मौजूद दो पशु भी बुरी तरह झुलस गए, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

शिक्षा निदेशक एवं संयुक्त शिक्षा निदेशक का मथुरा में स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव एवं संयुक्त शिक्षा निदेशक आगरा डॉ. मुकेश चंद अग्रवाल का यहां आने पर विधायक श्रीकांत शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र सिंह एवं सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल सिंह की उपस्थिति में चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज के शताब्दी समारोह के द्वितीय दिन पांचजन्य प्रेक्षागृह के मुख्य प्रवेश द्वार एवं सभागार में स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य डॉ राकेश कुमार माहेश्वरी , उ. प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई) के प्रदेश कोषाध्यक्ष अयोध्या प्रसाद अग्रवाल, के.आर. गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ शालिनी अग्रवाल, राजकीय इंटर कॉलेज जैंत की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका तिवारी, राजकीय उ.मा विद्यालय लोहवन की प्रधानाचार्य श्रीमती कविता सक्सेना, प्रेम देवी अग्रवाल कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ अलका दीप, माध्यमिक शिक्षक संगठन (शर्मा गुट) के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय पचौरी, जिलाध्यक्ष वींरेंद्र कुमार उपाध्याय, जिलामंत्री अनिल सिंह छौंकर, प्रधानाचार्य परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ मनवीर सिंह, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष डॉ गिर्राज सिंह, जिला मंत्री चंद्रभान सिंह यादव, जैन चौरासी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य निखिल अग्रवाल एवं प्रेम महाविद्यालय इंटर कॉलेज वृन्दावन के प्रधानाचार्य डॉ देव प्रकाश ने स्वागत किया।

श्री गणेश शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

मथुरा में रामलीला से पहले निकाली गणेश शोभायात्रा के आगे चल रहे पदाधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री राम लीला सभा के तत्वावधान में आयोजित 22 दिवसीय श्री राम लीला महोत्सव का गणेश शोभा यात्रा के साथ शुभारम्भ हो गया। सायंकाल श्रीकृष्ण जन्मस्थान मुख्य द्वार से श्रीगणेश की शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में सभा की जीप, तासे, बैनर, ऊंट पर दौसा, घोड़ा पर झंड़ा, झांकी गणेशजी, शिव शक्ति बैण्ड, झांकी विराटरूप, झांकी पंचमुखी हनुमान, श्री प्रकाश बैंड, अखाड़ा माँ कैलादेवी, झांकी खाटूश्याम, ढोल दिल्ली, झांकी गोवर्धन लीला, प्रिन्स बैण्ड, झांकी शंकर जी ब्राह्मण की संरचना, झांकी सालासर हनुमान, झांकी सांवरिया सेठ, झांकी गरूण पर विष्णु, झांकी मनकामेश्वर, झांकी राधा बल्लभ, झांकी हरीहर, चांदी के विशाल सिंहासन पर श्री राम, श्री जानकी जी, श्री भरत, श्री लक्ष्मण, श्री शत्रुघ्न श्री हनुमान के स्वरूप रथ पर विराजमान थे। शोभायात्रा का मार्ग में विभिन्न स्थानों पर आरती व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

शोभायात्रा में सभा के नीति निदेशक गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, सभापति जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, उपसभापति जुगलकिशोर अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, महामंत्री मूलचन्द गर्ग, मंत्री प्रदीप कुमार सर्राफ पीके, विजय कुमार सर्राफ करोड़ी, कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल सर्राफ, आय-व्यय निरीक्षक अजय मास्टर, प्रचार मंत्री शशांक पाठक, अमित भारद्वाज, जलूस मंत्री विनोद सर्राफ, श्रृंगारमंत्री सुरेन्द्र खोना, संजय बिजली, अनूप टैण्ट, शैलू हकीम, हिमांशु सूतिया, नागेन्द्र मोहन मित्तल, उमेश प्रेस वाले, योगेंद्र गोयल, राजनारायण गौड़, उमेश बिजली, हेमन्त अग्रवाल, हिमांशु सुतिया, प्रवीण अग्रवाल, दिनेश सादाबाद, कुशाग्र अग्रवाल, अंकुर गर्ग, चरत लाल सर्राफ, विवेक सूतिया, अजय सर्राफ, अशोक बंसल, दिनेश सदर, अंशुल गर्ग लोहे वाले, मनोज अग्रवाल तथा मनीष गर्ग आदि शामिल थे। सुबह दूध सेवा जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, मध्याह्न प्रसाद सेवा गो. जमुना प्रसाद गर्ग की स्मृति में रिजुल गर्ग एवं नीरज तायल ने व रात्रि प्रसाद सेवा चन्द्र शेखर अग्रवाल, पियूष अग्रवाल, सुनील अग्रवाल (बबलू भाई) ने की। 15 सितंबर को गोस्वामी तुलसीदास जीवन चरित्र की लीला सायं 7 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान लीला मंच पर होगी।

जेसीआई मथुरा कालिंदी में लोक नृत्य प्रतियोगिता में पावनी सिंह रहीं विजेता

प्रतिभागियों के साथ जेसीआई कालिंदी की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा कालिंदी ने भारतीय संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने हेतु होटल लैंड्स इन में भव्य लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। 16 से 40 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ओडिसी नृत्यांगना कुंजलता मिश्रा और कथक नृत्यांगना गीतांजलि शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। अध्यक्ष जेसी. रूमां अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाना है। सचिव जेसी. ललिता अग्रवाल और कोषाध्यक्ष जेसी. अंजलि खंडेलवाल ने इसे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का माध्यम बताया। प्रतियोगिता का संचालन जेसी. निधि शर्मा ने किया। विजेताओं में पावनी सिंह प्रथम, पूर्वी शर्मा द्वितीय और आयुषी शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं।

वरिष्ठ सदस्य जेसी रजनी मालपानी, जेसी अलका अग्रवाल, जेसी अनीता चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

सिगरेट से हर साल 13.50 लाख मौतें

चेतावनियों से नहीं रुकेंगी मौतें अब चाहिए सुरक्षित विकल्प

यूनिक समय, मथुरा। भारत एक गंभीर तंबाकू संकट का सामना कर रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक देश में हर साल करीब 13.50 लाख लोगों की मौत धूम्रपान से जुड़ी बीमारियों के कारण हो जाती है। यह संख्या चिंताजनक है क्योंकि तंबाकू सेवन के खतरों को लेकर जागरूकता होने के बावजूद धूम्रपान छोड़ने की दर बेहद कम है।

डॉक्टर्स का कहना है कि अब समय आ गया है जब केवल चेतावनी और जागरूकता से आगे बढ़कर सुरक्षित विकल्पों को अपनाया जाए। दिल्ली के बीएलके–मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. पवन गुप्ता के अनुसार सीओपीडी और हार्ट डिजीज के जोखिम वाले मरीजों के लिए धूम्रपान से दूरी बनाना बेहद जरूरी है।

वह कहते हैं कि स्मोक–फ्री निकोटिन प्रोडक्ट्स, भले ही पूरी तरह सुरक्षित न हों, लेकिन पारंपरिक सिगरेट के मुकाबले काफी कम नुकसानदायक साबित होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस और पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट में यह पाया गया है कि स्मोक–फ्री निकोटिन प्रोडक्ट्स धूम्रपान की तुलना में 95% तक कम हानिकारक हो सकते हैं, क्योंकि इनमें टार और कंबशन मौजूद नहीं होता। यही वजह है कि दुनियाभर के कई देशों जैसे स्वीडन, नॉर्वे, अमेरिका और डेनमार्क में निकोटिन पाउच जैसे विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

भारत में हालांकि निकोटिन पैच और गम जैसी थेरेपी सीमित सफलता ही दिला पाई हैं। एम्स–सीएपीएफआईएमएस सेंटर की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनैना सोनी का मानना है कि यदि स्मोक–फ्री, टोबैको–फ्री निकोटिन प्रोडक्ट्स को कड़े नियमों और निगरानी के तहत उपलब्ध कराया जाए तो यह धूम्रपान छोड़ने के प्रयासों में बड़ी मदद कर सकते हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत हर साल करीब 1.77 लाख करोड़ रुपये तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के इलाज पर खर्च करता है। इसके बावजूद धूम्रपान छोड़ने में सफलता दर बेहद कम है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की रिपोर्ट बताती है कि भारत में केवल 7% लोग ही बिना किसी सहायता के धूम्रपान छोड़ पाते हैं।

डॉ. सोनी का कहना है कि यदि लोग सिगरेट की जगह वैकल्पिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें तो भारत 2025 तक तंबाकू सेवन में 30% कमी लाने के लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है, जिसे डब्ल्यूएचओ के एनसीडी ग्लोबल टारगेट के तहत तय किया गया है।

स्पष्ट है कि चेतावनियों और पब्लिक कैंपेन से आगे बढ़कर अब व्यवहारिक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित विकल्प उपलब्ध कराना ही इस गंभीर स्वास्थ्य संकट से निपटने का रास्ता हो सकता है।

पुष्प ही नहीं, सुंदरता बढ़ाने का खजाना है नाग केसर

आयुर्वेद: बढ़ती उम्र पर लगाती है ब्रेक

यूनिक समय, मथुरा। आयुर्वेद सदियों से भारतीय जीवनशैली का हिस्सा रहा है। इसमें वर्णित कई जड़ी–बूटियां आज भी हमारी सेहत और सुंदरता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। इन्हीं में से एक है नाग केसर। देखने में साधारण सा यह पुष्प केवल सजावट या धार्मिक कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि त्वचा की देखभाल के लिए यह किसी खजाने से कम नहीं। आधुनिक विज्ञान भी मानता है कि नाग केसर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण त्वचा को स्वस्थ, युवा और दमकता बनाए रखने में मदद करते हैं।

आयुर्वेदिक ग्रंथों में नाग केसर को त्वचा का अमृत बताया गया है। इसमें पाए जाने वाले प्राकृतिक तत्व फ्री रैडिकल्स से सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिससे समय से पहले झुर्रियां और उम्र बढ़ने के लक्षण धीमे पड़ जाते हैं। आज के दौर में प्रदूषण, धूप और तनाव त्वचा पर गहरा असर डालते हैं। ऐसे में नाग केसर त्वचा को पर्यावरणीय क्षति से बचाकर अंदर से पोषण देता है।

नाग केसर के एंटीबैक्टीरियल गुण मुंहासों को फैलने से रोकते हैं। यह प्रोपियोनिबैक्टीरियम एक्नेस जैसे जीवाणुओं से लड़कर चेहरे को साफ और स्वस्थ बनाए रखता है। जिन लोगों को बार–बार पिंपल्स और इंफेक्शन की समस्या होती है, उनके लिए नाग केसर बेहद कारगर हो सकता है।

त्वचा पर लालिमा और सूजन भी एक आम समस्या है, खासकर प्रदूषण या हार्मोनल असंतुलन के कारण। नाग केसर की एंटी–इंफ्लेमेटरी क्षमता इन लक्षणों को प्राकृतिक रूप से कम करती है। यह त्वचा की नमी संतुलित कर उसे मुलायम और आरामदायक महसूस कराती है। मुंहासों के बाद चेहरे पर दाग–धब्बे रह जाते हैं, जो खूबसूरती को फीका कर देते हैं। नाग केसर के सक्रिय तत्व पिग्मेंटेशन को हल्का करते हैं और स्किन टोन को समान बनाते हैं। नियमित उपयोग से चेहरा साफ, चमकदार और युवा दिखने लगता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नाग केसर के फायदे सिर्फ सुंदरता तक सीमित नहीं हैं। इसके सेवन से शरीर को भी कई तरह के लाभ मिलते हैं। लेकिन स्किन केयर में इसका महत्व सबसे खास है क्योंकि यह एक प्राकृतिक, किफायती और सुरक्षित विकल्प है।

स्पष्ट है कि नाग केसर केवल एक पुष्प नहीं बल्कि आयुर्वेद का दिया हुआ वरदान है। यह त्वचा की हर समस्या का समाधान बन सकता है–चाहे वह उम्र बढ़ने का डर हो, मुंहासों की समस्या हो या दाग–धब्बे।

रात की बची रोटियां फेंकते हैं तो अब न करें ये गलती

बासी रोटी खाने से मिलते हैं जबरदस्त फायदे

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय रसोई में रोटी रोजाना बनती है और कई बार रात की बची रोटियां फ्रिज में रख दी जाती हैं या फेंक दी जाती हैं। लेकिन आयुर्वेद और विज्ञान दोनों ही मानते हैं कि बासी रोटी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती है। यह न केवल पेट को स्वस्थ रखती है, बल्कि डायबिटीज और वजन जैसी समस्याओं को भी कंट्रोल करने में मदद करती है।

अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिपोर्ट के मुताबिक, जब रोटी को पूरी रात रखा जाता है, तो उसमें हल्की फर्मेंटेशन प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इस प्रक्रिया से बनने वाला स्टार्च धीरे–धीरे पचता है, जिससे ब्लड शुगर अचानक नहीं बढ़ता। यही वजह है कि सुबह दूध में भिगोकर बासी रोटी खाने से डायबिटीज के मरीजों को काफी लाभ मिल सकता है।

बासी रोटी पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाती है। इसमें बनने वाले प्री–बायोटिक तत्व अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं, जो कब्ज, गैस और पेट की जलन जैसी समस्याओं से राहत देते हैं। यही नहीं, पाचन सही रहने से शरीर की इम्यूनिटी भी मजबूत होती है और रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए भी बासी रोटी बेहतरीन विकल्प है। इसमें कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है। इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और ज्यादा खाने की आदत पर नियंत्रण पाया जा सकता है। धीरे–धीरे शरीर की अतिरिक्त चर्बी भी कम होने लगती है।

इसलिए अगली बार रात की बची रोटियों को फेंकने से पहले याद रखिए कि यह साधारण सी दिखने वाली बासी रोटी आपके स्वास्थ्य के लिए एक सस्ती और असरदार औषधि साबित हो सकती है।

मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरें जो आपकी ट्रैवल डायरी को बना देंगी खास

यूनिक समय, मथुरा। भारत का हृदय कहे जाने वाला मध्य प्रदेश इतिहास, कला और संस्कृति का अद्भुत संगम है। यहां सिर्फ बड़े शहर ही नहीं बल्कि छोटे कस्बे और गांव भी हैं, जो अपनी ऐतिहासिक धरोहर और परंपराओं के कारण विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। अगर आप भी शहर की भीड़भाड़ से दूर असली भारत की झलक देखना चाहते हैं, तो अपने अगले ट्रैवल प्लान में इन जगहों को जरूर शामिल करें।

मांडू को सिटी ऑफ जॉय और सिटी ऑफ लव भी कहा जाता है। राजा बाज बहादुर और रूपमती की प्रेम कहानी ने इस जगह को अमर कर दिया। यहां की बावड़ियां, महल और मस्जिदों के खंडहर पर्यटकों को इतिहास की गहराइयों में ले जाते हैं। खासकर मानसून में मांडू की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है।

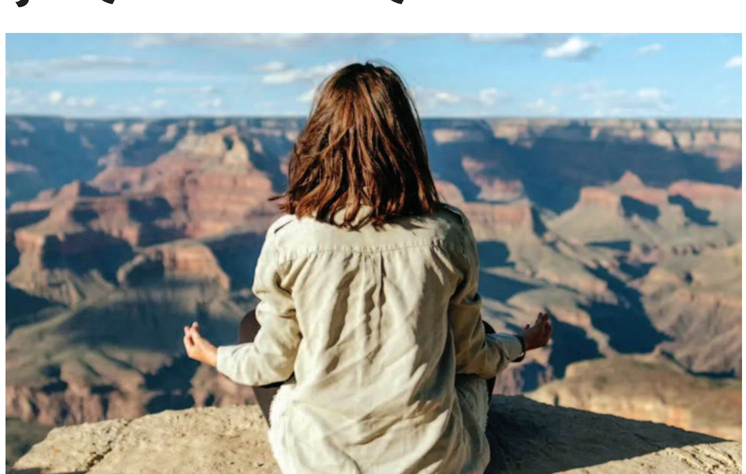

ओरछा कभी बुंदेला राजाओं की राजधानी रहा है। यहां के मंदिर, रानी महल और छतरियां कला और स्थापत्य का बेहतरीन उदाहरण हैं। खास बात यह है कि यहां का राम राजा मंदिर अनोखा है, जहां भगवान श्रीराम को राजा के रूप में पूजा जाता है।

जबलपुर के पास स्थित भेड़ाघाट अपनी संगमरमर की चट्टानों और धुआंधार जलप्रपात के लिए प्रसिद्ध है। नर्मदा नदी की लहरों के बीच नाव की सवारी हर किसी को सुकून और रोमांच दोनों का अनुभव कराती है।

चंदेरी गांव अपनी पारंपरिक चंदेरी साड़ियों के लिए विश्वभर में मशहूर है। साथ ही यहां के किले, मस्जिदें और पुरानी गलियां शिल्पकला और इतिहास का अद्भुत मेल दर्शाती हैं। फैशन इंडस्ट्री में भी चंदेरी की खास जगह है।

अमरकंटक धार्मिक और प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे नर्मदा उद्गम स्थल कहा जाता है। यहां के प्राचीन मंदिर, आश्रम और हरी–भरी वादियां यात्रियों को आध्यात्मिक शांति और अद्वितीय अनुभव प्रदान करती हैं।

भोजपुर को राजा भोज ने बसाया था। यहां का विशाल शिवलिंग देश के सबसे बड़े शिवलिंगों में से एक है। अधूरा होने के बावजूद यह शिव मंदिर अपनी भव्यता से हर श्रद्धालु को आकर्षित करता है।

नर्मदा नदी के बीच बसे द्वीप पर स्थित ओंकारेश्वर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक का घर है। यहां का मंदिर, घाट और ओंकार पर्वत धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक महत्व दोनों का अनुभव कराते हैं।

मध्य प्रदेश की ये ऐतिहासिक जगहें न सिर्फ यात्रा को यादगार बनाती हैं बल्कि भारतीय संस्कृति की गहराई को भी महसूस कराती हैं।

सुविचार

पितृ पक्ष हमें याद दिलाता है कि हमारे पूर्वजों की शिक्षाएँ और संस्कार हमारे जीवन की असली धरोहर हैं।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	03:06-01:31 तक	**पक्ष**	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	आद्रा	07:31-06:46 तक	**माह**	आश्विन
सूर्योदय		6:17 AM	**चन्द्रोदय**	12:43 AM
सूर्यास्त		6:26 PM	**चंद्रास्त**	02:02 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	**चंद्र**	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		**11:57AM–12:46 PM**	**ब्रहम् मुहूर्त**	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			**विक्रम संवत्**	2082
राहुकाल		07:48AM–09:19AM	**वार**	**सोमवार**

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

वास्तुशास्त्र: ऑफिस में बैठने की सही दिशा

बदल सकती है किस्मत और करियर

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप नौकरी में मेहनत करने के बावजूद प्रमोशन से वंचित रह जाते हैं, काम में मन नहीं लगता या बॉस से अक्सर डांट पड़ती है, तो हो सकता है कि इसकी वजह आपके ऑफिस में बैठने की दिशा हो। वास्तु शास्त्र के अनुसार कार्यस्थल पर गलत दिशा में बैठने से करियर की प्रगति रुक सकती है, जबकि सही दिशा में बैठकर काम करने से सफलता और तरक्की की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

वास्तु विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑफिस में पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुंह करके बैठना सबसे शुभ माना जाता है। इसके अलावा उत्तर–पूर्व दिशा में बैठना भी करियर और धन वृद्धि के लिए उत्तम है। माना जाता है कि इन दिशाओं में बैठने से एकाग्रता बनी रहती है, काम में सफलता मिलती है और प्रमोशन व वेतन वृद्धि की संभावनाएं बढ़ती हैं। वहीं बॉस या ऑफिस हेड को पश्चिम दिशा में बने केबिन में बैठना चाहिए और उनका मुंह उत्तर–पूर्व की ओर होना चाहिए। इससे कंपनी और कारोबार तेजी से आगे बढ़ता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

दक्षिण और दक्षिण–पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठना अशुभ माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति की एकाग्रता भंग होती है, काम में बाधा आती है और अवसर हाथ से निकल जाते हैं।

इसके अलावा डेस्क पर कुछ शुभ पौधे रखने की भी सलाह दी जाती है। जैसे बैंबू प्लांट, जेड प्लांट, एरिका पाम, मनी प्लांट या ड्रेकेना। माना जाता है कि ये पौधे ऑफिस में सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य लेकर आते हैं।

इस तरह, यदि आप अपने करियर और कामयाबी को ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं, तो ऑफिस में बैठने की दिशा और वातावरण को वास्तु अनुसार जरूर ध्यान में रखें।

शारदीय नवरात्रि : 22 सितंबर से होगी शुरुआत

मां दुर्गा को नौ दिन लगाएं अलग-अलग भोग

यूनिक समय, मथुरा। शारदीय नवरात्रि का आगाज इस बार 22 सितंबर, सोमवार से होने जा रहा है। आज से ठीक आठ दिन बाद मां दुर्गा के स्वागत की तैयारियां हर जगह शुरू हो जाएंगी। मान्यता है कि इस बार मां दुर्गा का आगमन गज यानी हाथी पर हो रहा है, जो सुख–समृद्धि और शांति का प्रतीक है। वहीं, नवरात्रि के अंत में मां का प्रस्थान मनुष्य की सवारी पालकी पर होगा, जिसे अशुभ माना जाता है और इसका अर्थ है कि लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा विधि–विधान से की जाती है और भक्त व्रत–उपवास रखते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि इन नौ दिनों में मां को उनके प्रिय भोग अर्पित किए जाएं तो वे शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है और उन्हें गाय का घी अर्पित करना शुभ माना गया है। इससे रोग और कष्ट दूर होते हैं। दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को मिश्री का भोग लगाया जाता है, जिससे परिवार में सुख–समृद्धि आती है। तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की आराधना कर उन्हें खीर चढ़ाई जाती है, जिससे मानसिक शांति और दुखों से मुक्ति मिलती है। चौथे दिन मां कूष्मांडा को मालपुआ का भोग लगाया जाता है, जो जीवन के दुखों का नाश करता है।

पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है और उन्हें केले का भोग लगाने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। छठे दिन मां कात्यायनी को शहद का भोग अर्पित करने से साधक की आकर्षण शक्ति बढ़ती है और रिश्ते मधुर होते हैं। सातवें दिन मां कालरात्रि की आराधना कर उन्हें गुड़ चढ़ाया जाता है, जिससे भय और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। आठवें दिन मां महागौरी की पूजा कर नारियल अर्पित किया जाता है, जो संतान सुख और उससे जुड़ी समस्याओं का समाधान करता है। अंत में, नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की उपासना कर उन्हें तिल का भोग लगाया जाता है। इससे अचानक आने वाली विपत्तियों से सुरक्षा मिलती है।

नवरात्रि 2025 के इन नौ दिनों में भक्ति और श्रद्धा के साथ मां दुर्गा की पूजा करने से सभी दुखों का नाश होता है और सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पितृपक्ष की कैसे हुई शुरुआत?

दानवीर कर्ण से जुड़ी है श्राद्ध की परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म में पितृपक्ष का विशेष महत्व है। इसे पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनके आशीर्वाद की प्राप्ति का काल माना जाता है। हर साल 16 दिनों तक चलने वाले इस पर्व में लोग अपने पितरों को अन्न, जल और वस्त्र श्रद्धा से अर्पित करते हैं। मान्यता है कि इससे पितर प्रसन्न होकर परिवार को सुख–समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

ज्योतिषाचार्यों और धर्मग्रंथों के अनुसार पितृपक्ष का संबंध महाभारत के महान दानी कर्ण से जुड़ा है। कथा के अनुसार, युद्ध में वीरगति को प्राप्त करने के बाद जब कर्ण स्वर्गलोक पहुंचे तो उन्हें भोजन की जगह सोना और रत्न परोसे गए। यह देख कर्ण आश्चर्यचकित हुए और उन्होंने इंद्रदेव से इसका कारण पूछा। देवराज इंद्र ने बताया कि जीवनभर उन्होंने असीम दान तो किया, लेकिन कभी अपने पितरों का तर्पण या श्राद्ध नहीं किया। इसी भूल का परिणाम है कि स्वर्ग में उन्हें अन्न के स्थान पर स्वर्ण मिल रहा है।कर्ण ने विनम्रता से कहा कि उन्हें अपने वास्तविक कुल और पितरों की जानकारी ही नहीं थी, क्योंकि उनका पालन–पोषण पालक माता–पिता ने किया था। मृत्यु से ठीक पहले ही उन्हें यह रहस्य ज्ञात हुआ कि वे कुंतीपुत्र हैं। इस पीड़ा को सुनकर इंद्र ने कर्ण को अवसर दिया और 16 दिनों के लिए उन्हें धरती पर भेजा गया। इन दिनों में कर्ण ने अपने पूर्वजों को स्मरण कर विधिवत तर्पण और भोजन अर्पित किया। कहा जाता है कि तभी से यह परंपरा आरंभ हुई और इन 16 दिनों को पितृपक्ष कहा जाने लगा।

इस वर्ष पितृपक्ष की शुरुआत 7 सितंबर 2025 से हुई है और इसका समापन 21 सितंबर 2025 को होगा। आज 14 सितंबर को पितृपक्ष का नवां श्राद्ध है। श्रद्धालु पूरे श्रद्धा–भाव से इन दिनों पितरों का स्मरण कर तर्पण और दान–पुण्य करते हैं। कर्ण की कथा यह संदेश देती है कि दान और पुण्य कार्य के साथ–साथ पितरों का स्मरण और तर्पण भी उतना ही आवश्यक है।

ब्रज भ्रमण-62

ब्रज की यात्रा करें यूनिक समय के साथ

वृंदावन का अजब मनोहर मंदिर: जहां धर्म और सेवा बुनते हैं जीवन के मोती

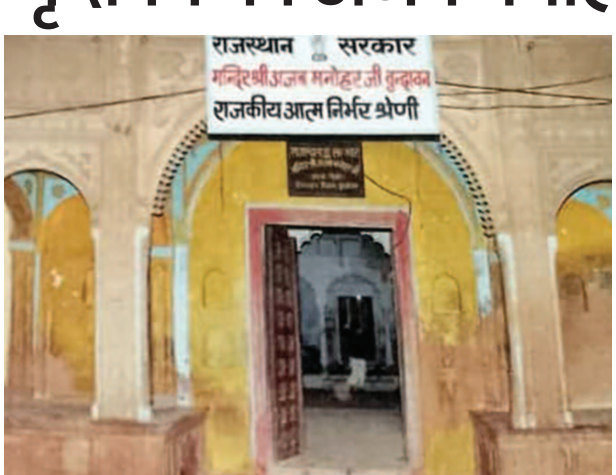

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन की छीपी गली में स्थित अजब मनोहर मंदिर एक ऐसा प्राचीन धार्मिक स्थल है, जो न केवल अपनी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी मिसाल कायम करता है। जयपुर शैली में निर्मित इस मंदिर में भगवान अजब मनोहर और राधा रानी की बांसुरी बजाती मनोहारी मूर्तियां स्थापित हैं। श्यामा जी की मूर्ति में बायां हाथ श्याम की ओर उठाया गया है, और दोनों मूर्तियां अष्टधातु की हैं।

मंदिर का प्रबंध राजस्थान सरकार द्वारा किया जाता है। यहां निंबार्क संप्रदाय के अनुसार पूजा और सेवा की जाती है। निंबार्क संप्रदाय में हरिव्यास देवाचार्य द्वारा रचित महावाणी ग्रंथ के पदों के अनुसार पूजा की जाती है। मंदिर में प्रौढ़ अवस्था में प्रिया–प्रेम की सेवा होती है, जिसमें चार भोग और आठ आरती की परंपरा निभाई जाती है।

अजब मनोहर मंदिर का इतिहास बीकानेर के राजा गंगा सिंह की पत्नी अजब कुंवरि मुरली मनोहर से जुड़ा है। वर्ष 1709 में इस मंदिर का निर्माण कराया गया था, और इसी कारण ठाकुर जी को अजब मनोहर कहा जाता है।

मंदिर के सेवक पिछले 20 वर्षों से अन्नक्षेत्र चलाकर जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं। प्रतिदिन सुबह गरीबों को निस्वार्थ भाव से भोजन दिया जाता है। इसके अलावा, मकर संक्रांति पर लगभग 500 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए जाते हैं। धर्म के धागे में सेवा के मोती पिरोकर ही मंदिर की वास्तविक महिमा बढ़ती है।" अजब मनोहर मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक कल्याण का भी प्रतीक बन चुका है। यहां आने वाले कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं लौटता। मंदिर का यह अन्नक्षेत्र और नियमित सेवा कार्यक्रम समाज में मानवता और सहानुभूति का संदेश फैलाते हैं। मंदिर में आए श्रद्धालु और पर्यटक जयपुर शैली की वास्तुकला, अष्टधातु की मूर्तियां और पूजा विधियों का अनुभव कर आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं। निंबार्क संप्रदाय की सेवा–पूजा और मंदिर की ऐतिहासिक विरासत इसे एक अनोखा धार्मिक स्थल बनाती हैं। अजब मनोहर मंदिर आज भी धर्म, भक्ति और सेवा के संगम का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है, जहां आस्था और मानवता दोनों का अद्भुत समागम देखने को मिलता है।

सम्पादकीय

भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार : युवाओं की उम्मीदों से खिलवाड़

देश में हर साल लाखों युवा भर्ती परीक्षाओं में हिस्सा लेते हैं। उनकी मेहनत, सपने और करियर इन परीक्षाओं की पारदर्शिता पर टिका होता है। लेकिन बार–बार सामने आने वाले पेपर लीक और भर्ती घोटाले इस विश्वास को चोट पहुँचा रहे हैं। उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में हुए हालिया कांड यह बताते हैं कि भर्ती परीक्षाएँ अब 'पेपर माफिया' और 'भ्रष्ट तंत्र' के लिए आसान शिकार बन गई हैं। सवाल यह है कि कब तक मेहनतकश युवाओं की आशाएँ इस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहेंगी?

दरअसल, भर्ती परीक्षाओं में धांधली केवल कानूनी अपराध नहीं है, यह सामाजिक और नैतिक अपराध भी है। यह उन युवाओं के आत्मविश्वास को तोड़ देता है जो दिन–रात लगन से तैयारी करते हैं। ऐसी घटनाएँ यह संदेश देती हैं कि मेहनत नहीं, बल्कि जोड़–तोड़ और पैसे से ही सफलता पाई जा सकती है। यह सोच न केवल युवाओं के मनोबल को गिराती है बल्कि पूरे समाज की नींव को भी कमजोर करती है।

पवन गौतम
संपादक

अब समय आ गया है कि इस समस्या पर आधे–अधूरे नहीं, बल्कि कठोर और व्यापक उपाय किए जाएँ। सबसे पहले तो भर्ती परीक्षाओं को तकनीक–आधारित और पारदर्शी बनाया जाए। डिजिटल प्रश्न बैंक, रैंडम प्रश्न चयन और ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली इस दिशा में कारगर हो सकती है। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक उपस्थिति और लाइव निगरानी जैसी व्यवस्थाएँ अनिवार्य की जानी चाहिए। दूसरा, भर्ती एजेंसियों की जवाबदेही तय करनी होगी। आज तक यह देखा गया है कि पेपर लीक होने के बाद महीनों जांच चलती है लेकिन किसी एजेंसी या उच्च अधिकारी पर ठोस कार्रवाई नहीं होती। जब तक एजेंसियों पर सख्त दंडात्मक प्रावधान लागू नहीं होंगे, तब तक लापरवाही और मिलीभगत रुकने वाली नहीं है। तीसरा, इस अपराध को संगीन अपराध की श्रेणी में रखकर दोषियों को त्वरित सजा दी जानी चाहिए। वर्षों तक मुकदमे चलने से अपराधियों के हौसले बुलंद रहते हैं। यदि पेपर लीक करने वालों और उनसे लाभ उठाने वालों को कठोर दंड मिले तो यह दूसरों के लिए नजीर बन सकता है। चौथा, युवाओं और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उम्मीदवार यदि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत साझा करें और सामाजिक दबाव बनाएँ, तो भ्रष्ट तंत्र को चुनौती मिल सकती है। भर्ती प्रक्रिया केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की ईमानदारी की भी परीक्षा है। आज आवश्यकता है राजनीतिक इच्छाशक्ति की। यदि सरकारें सचमुच युवाओं को रोजगार देने और पारदर्शी व्यवस्था लाने के लिए गंभीर हैं, तो उन्हें भर्ती परीक्षाओं से भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म करना होगा। क्योंकि यह सिर्फ नौकरी का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश के भविष्य का सवाल है। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाना ही प्रशासनिक तंत्र में ईमानदारी और योग्यता सुनिश्चित करेगा। यही वह निवेश है जो राष्ट्र के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। युवाओं की उम्मीदों से खिलवाड़ अब और नहीं होना चाहिए।

नजरिया

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री

सुशीला कार्की से बदलती राजनीति की तस्वीर

महेन्द्र तिवारी

नेपाल की राजनीति एक बार फिर ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। देश की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला कार्की का चयन न केवल एक अभूतपूर्व उपलब्धि है, बल्कि नेपाल के लोकतांत्रिक भविष्य के लिए एक नई आशा और चुनौतीपूर्ण यात्रा की शुरुआत भी है। कार्की नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। इससे पहले वह नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। उनका प्रधानमंत्री बनना केवल सत्ता परिवर्तन की औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह एक पीढ़ीगत आंदोलन और लोकतांत्रिक चेतना का परिणाम है।

सुशीला कार्की का नाम अचानक राजनीति के केंद्र में नहीं आया। हालिया जन–जेड आंदोलन ने जिस तरह नेपाल की राजनीति को हिला दिया, उसी के परिणामस्वरूप वह देश के सर्वोच्च कार्यकारी पद तक पहुँचीं। डिस्कॉर्ड जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सक्रिय युवाओं ने जनमत तैयार किया और अंततः केपी शर्मा ओली की सरकार को अपदस्थ कर दिया। आंदोलनकारियों की मांग थी कि देश को एक साफ–सुथरे और पारदर्शी नेतृत्व की ज़रूरत है। इसी दबाव में पारंपरिक राजनीतिक दलों ने भी असामान्य एकता दिखाते हुए कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री पद पर सहमति दी। आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें पारंपरिक चुनावी राजनीति की बजाय सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने केंद्रीय भूमिका निभाई। 51 युवाओं की बलिदान ने इस आंदोलन को ऐतिहासिक गहराई दी।

7 जून 1952 को बिराटनगर के शंकरपुर में जन्मी सुशीला कार्की ने साधारण पृष्ठभूमि से उठकर असाधारण ऊँचाइयाँ हासिल कीं। 1974 में उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस में स्नातकोत्तर किया और 1978 में त्रिभुवन विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1979 से उन्होंने वकालत शुरू की और कोशी जोनल बार एसोसिएशन तथा बिराटनगर अपीलीय बार की अध्यक्षता की। 2009 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2016 में वह नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनीं। अपने न्यायिक कार्यकाल में कार्की ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त फैसले दिए और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए अडिग खड़ी रहीं। 2017 में तत्कालीन शेरबहादुर देउबा सरकार ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया, जिसे राजनीतिक प्रतिशोध माना गया। इससे उनकी छवि और भी मज़बूत हुई।

सुशीला कार्की के सामने अवसर भी हैं। उनकी ईमानदार और निष्पक्ष छवि उन्हें जनता का विश्वास दिलाती है। विशेषकर जन–जेड आंदोलन से जुड़े युवाओं को उनमें एक भरोसेमंद नेतृत्व नज़र आता है। पारंपरिक राजनीतिक दलों ने भी उन्हें समर्थन दिया है, जिससे अल्पकालिक स्थिरता की संभावना बनी है। एक महिला न्यायाधीश का प्रधानमंत्री बनना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल की लोकतांत्रिक छवि को मजबूत करेगा और विदेशी निवेश व सहयोग की संभावनाएँ बढ़ेंगी। उनका कार्यकाल महिलाओं, युवाओं और नागरिक समाज को अधिक राजनीतिक भागीदारी के लिए प्रेरित कर सकता है।

लेकिन चुनौतियाँ कम नहीं हैं। आंदोलन में मारे गए 51 लोगों को शहीद घोषित करने और उनके परिवारों को मुआवज़ा देने की मांग प्रमुख है। यदि सरकार ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई, तो नए विरोध भड़क सकते हैं। पर्यटन और होटल उद्योग भारी नुकसान झेल रहा है।

होटल एसोसिएशन नेपाल के अनुसार, तोड़फोड़ और आगजनी से लगभग 25 अरब नेपाली रुपये का नुकसान हुआ, जिसमें अकेले काठमांडू के हिल्टन होटल को 8 अरब रुपये से अधिक की क्षति हुई। ऐसे में पर्यटन को पटरी पर लाना उनकी प्राथमिक चुनौती होगी। जन–जेड आंदोलन के क्रांतिकारी विचार और पारंपरिक दलों के संरचनात्मक हितों के बीच संतुलन बनाना भी कठिन होगा। अंतरिम सरकार होने के कारण उनके पास सीमित समय और शक्तियाँ हैं, जिससे गहरे सुधार लागू करना आसान नहीं है। साथ ही पड़ोसी देशों और वैश्विक समुदाय की अपेक्षाएँ भी बढ़ेंगी, जिससे नेपाल की विदेश नीति और निवेश माहौल को स्थिर रखना चुनौतीपूर्ण होगा।

इन कठिनाइयों से निपटने के लिए कुछ रणनीतियाँ कारगर हो सकती हैं। आंदोलनकारियों और शहीद परिवारों से खुले संवाद की शुरुआत कर उन्हें विश्वास में लेना ज़रूरी है। जन–जेड नेताओं को सलाहकार समूहों और नीतिगत समितियों में शामिल करना युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगा। होटल और पर्यटन उद्योग को विशेष कर छूट, ऋण पुनर्गठन और अंतरराष्ट्रीय प्रमोशन अभियानों से सहारा देना होगा। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रक्रियाओं को मजबूत करना भी अहम होगा। समावेशी नेतृत्व के तहत महिलाओं, दलितों और वंचित समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित कर सामाजिक विभाजन कम किए जा सकते हैं।

नेपाल की जनता ने एक महिला न्यायाधीश को प्रधानमंत्री बनाकर साफ संदेश दिया है कि वह ईमानदारी और पारदर्शिता को प्राथमिकता देती है। यह उम्मीद तभी साकार होगी जब कार्की साहस और समावेशिता के साथ नेतृत्व करें। उनका कार्यकाल केवल सत्ता प्रबंधन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह तय करेगा कि नेपाल लोकतांत्रिक स्थिरता की ओर बढ़ेगा या फिर एक और राजनीतिक संकट में फँस जाएगा।

सुशीला कार्की का प्रधानमंत्री बनना इतिहास की किताबों में दर्ज हो चुका है। अब यह उन पर है कि वह इस अवसर को केवल एक प्रतीकात्मक उपलब्धि न रहने दें, बल्कि इसे वास्तविक परिवर्तन का मार्ग बनाएं।

विचार विण्डो

2030 तक दुनिया का हर पाँचवाँ व्यक्ति बोलेगा हिंदी

प्रो.(डॉ.) संजय द्विवेदी

भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं होती, बल्कि किसी राष्ट्र की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान भी होती है। हिंदी दिवस के अवसर पर जब हम हिंदी की स्थिति और भविष्य पर विचार करते हैं तो यह सुखद अहसास होता है कि हिंदी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी लगातार अपना विस्तार कर रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक दुनिया का हर पाँचवाँ व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अस्मिता की शक्ति का प्रमाण है।

भारतेंदु हरिशचंद्र, स्वामी दयानंद सरस्वती और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने हिंदी को राष्ट्र से जोड़ने का काम किया। महात्मा गांधी का मानना था कि किसी भी राष्ट्रभाषा के तीन लक्षण होने चाहिए– वह भाषा सरल हो, उसका प्रयोग सहज हो और उसके बोलने वालों की संख्या अधिक हो। इन तीनों कसौटियों पर हिंदी खरी उतरती है। यही कारण है कि संविधान सभा ने आज़ादी के बाद हिंदी को बहुमत से राजभाषा का दर्जा दिया।

हिंदी का इतिहास कम से कम एक हजार वर्ष पुराना है। 11वीं शताब्दी से ही यह भाषा राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेज़ी में होते रहे हों, लेकिन जनमानस में संपर्क, संवाद और व्यवहार का प्रमुख माध्यम हिंदी ही रही। समय के साथ इस भाषा ने अलग–अलग रूप धारण किए–कभी हिंदवी, कभी हिंदुई और कभी दकनी। नाम बदलते गए लेकिन आत्मा वही रही। यही निरंतरता हिंदी को जीवंत और प्रासंगिक बनाए हुए है।

हिंदी केवल साहित्यिक भाषा नहीं है। इसका स्वरूप बहुआयामी है। जहाँ एक ओर यह कबीर, तुलसी, जायसी और मीरा के भजनों से लेकर प्रेमचंद और निराला की रचनाओं तक फैली हुई है, वहीं दूसरी ओर पत्रकारिता, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और डिजिटल माध्यमों में भी इसका तेजी से विस्तार हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की भूमिका निर्णायक रही। आज़ादी के बाद सरकारी कामकाज में हिंदी का उपयोग होने लगा और धीरे–धीरे यह राजभाषा के रूप में विकसित हुई।

हिंदी का वैश्विक विस्तार भी उल्लेखनीय है। आज दुनिया के 260 से अधिक विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। लगभग 64 करोड़ लोग हिंदी को मातृभाषा के रूप में बोलते हैं, 24 करोड़ लोग इसे दूसरी भाषा और 42 करोड़ लोग तीसरी भाषा के रूप

में प्रयोग करते हैं। यानी इस धरती पर करीब 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। यही कारण है कि कहा जा रहा है–2030 तक हर पाँचवाँ व्यक्ति हिंदी बोलेगा।

संयुक्त अरब अमीरात और फिजी जैसे देशों ने हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा दिया है। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार से अधिक हिंदी शब्द शामिल किए जा चुके हैं। देवनागरी लिपि को वैज्ञानिक लिपि माना जाता है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर हिंदी ने अंग्रेज़ी को पीछे छोड़ दिया है और अब यह डिजिटल दुनिया की सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। तीन साल पहले तक जो स्थान अंग्रेज़ी को प्राप्त था, वह अब हिंदी के पास है। यह हिंदी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

यह प्रश्न बार–बार उठता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका उत्तर महात्मा गांधी ने बहुत पहले दिया था। उन्होंने कहा था कि भाषा का चयन सरलता, सहजता और व्यापकता के आधार पर होना चाहिए। इन तीनों गुणों से युक्त भाषा ही राजभाषा बन सकती है और हिंदी इस कसौटी पर खरी उतरती है।

हिंदी के भविष्य को लेकर भी कई सवाल खड़े होते हैं। क्या हिंदी का गौरव अंग्रेज़ी का कद कम करके ही बढ़ाया जा सकता है? क्या हिंदी बोलने वालों को हीनभावना से ग्रसित होना चाहिए? उत्तर स्पष्ट है–नहीं। हिंदी को गर्व और आत्मविश्वास के साथ स्वीकारना होगा। कबीर, तुलसी और मीरा की विरासत से लेकर भारतेंदु और प्रेमचंद की कलम तक यह भाषा हमारी आत्मा को अभिव्यक्त करती है। आज इसके मार्ग में जो अड़चनें हैं, उन्हें दूर करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

हिंदी की ताकत तभी और बढ़ेगी जब हम इसे व्यवहार और कार्यस्थलों पर प्राथमिकता देंगे। सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग होना चाहिए। शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी को बढ़ावा देना होगा। सूचना–प्रौद्योगिकी की दुनिया में हिंदी की ताकत को और विकसित करना होगा। युवा पीढ़ी इस बदलाव की धुरी है। वही नौजवान, जो अपनी जड़ों से जुड़ना चाहते हैं और जो यह समझते हैं कि मातृभाषा में काम करना किसी भी तरह की कमजोरी नहीं बल्कि ताकत है, वही हिंदी को नए शिखर तक ले जाएंगे।

आज समय की मांग है कि हम हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर संवेदनशील हों। हमें ऐसे युवाओं की ज़रूरत है जो अंग्रेज़ी में दक्ष हों, लेकिन अपनी भाषाओं को लेकर भी गर्व से भरे हों। जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करें। जिन्हें 'हिंदी मीडियम' या 'वर्नाकुलर' कहे जाने पर हीनता न हो, बल्कि गर्व हो। ऐसे ही युवाओं से भारत का भविष्य सुरक्षित होगा।

हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता का प्रतीक है। यह हमारी परंपरा, संस्कृति और सभ्यता को समेटे हुए है। यह वह धारा है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है और आधुनिकता के साथ संतुलन भी स्थापित करती है। आज जब वैश्वीकरण के दौर में भाषाओं की पहचान मिट रही है, हिंदी अपने विस्तार और प्रभाव से दुनिया का ध्यान खींच रही है।

सच यही है कि हिंदी की ताकत उसकी जनस्वीकार्यता है। यदि हम इसे सही दिशा में आगे बढ़ाएँ, तो आने वाला समय हिंदी का होगा। वर्ष 2030 तक जब हर पाँचवाँ व्यक्ति हिंदी बोलेगा, तब यह भाषा केवल भारत की ही नहीं बल्कि विश्व की भाषा बनकर उभरेगी। यह न केवल हिंदी भाषियों का गर्व होगा बल्कि समूचे भारत का आत्मविश्वास भी।

टीम इंडिया काली पट्टी बांधकर उतरेगी पाकिस्तान के खिलाफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में आज भारत-पाकिस्तान मुकाबला बेहद खास और संवेदनशील है। टीम इंडिया के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेंगे। यह फैसला कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोषों की हत्या के विरोध में लिया गया है। टीम मैनेजमेंट ने सुरक्षा कारणों और आयोजकों के निर्देश के तहत स्टेडियम में बैनर और पोस्टर ले जाने पर भी रोक लगा दी है।

दोनों टीमों ने अपने पहले मैच जीतकर सुपर-4 में पहुंचने की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। हेड टू हेड रिकॉर्ड भारत के पक्ष में है।

पिछली बार दोनों टीमों की भिड़ंत अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप में हुई थी, जब भारत ने सिर्फ 119 रन के बावजूद 6 रन से मैच जीत लिया था। उस समय विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने रिटायरमेंट ले लिया, बावजूद इसके भारतीय टीम का प्रदर्शन और बेहतर हुआ है। भारत ने तब से अब तक 86% टी-20 मैच जीत हासिल किए हैं।

पिछले वर्षों में दुबई क्रिकेट ग्राउंड पर पहले बैटिंग और टारगेट चेज करने वाली टीमों का रिकॉर्ड दर्शाता है कि टारगेट चेज करने वाली टीम को ज्यादा फायदा मिलता है। 2020 से अब तक 18 ऐसे मुकाबले हुए हैं जिसमें टारगेट चेज करने वाली टीम ने 16 में जीत हासिल की है। पहले बैटिंग करने वाली टीम की औसत जीत का स्कोर 162 रन है, जो पिछले 10 साल में बढ़कर 165 रन हो गया है।

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग-11 में अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक

स्टेडियम में बैनर-पोस्टर पर रोक

वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। पाकिस्तान की टीम में सईम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), सलमान आगा (कप्तान), फखर जमान, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, अबरार अहमद और सुफियान मुकीम खेलेंगे।

मैच का रिजल्ट सुपर-4 में जगह तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। भारत की कोशिश होगी कि काली पट्टी पहनकर खेलते हुए न केवल खेल में जीत दर्ज करें, बल्कि पहलगाम हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि भी दें। स्टेडियम में पोस्टर और बैनर की रोक के बावजूद, खिलाड़ियों का यह संदेश देशभर में प्रतीकात्मक विरोध के रूप में देखा जा रहा है।

रितिका नायक: 28 साल की हसीना

'मिराई' में मुख्य भूमिका से छाई और सुपरस्टार नानी संग किया काम

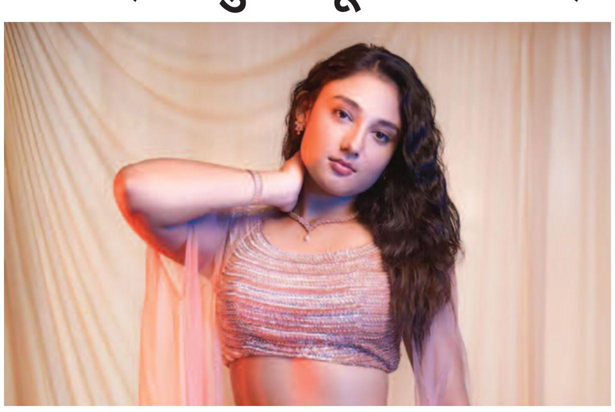

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेजा सज्जा की फिल्म 'मिराई' बॉक्स-ऑफिस पर शानदार शुरुआत कर रही है और दर्शक रितिका नायक के अभिनय की तारीफ कर रहे हैं। 28 साल की यह अभिनेत्री फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आई हैं और अपनी दूसरी ही फिल्म से लोगों का ध्यान खींच लिया है।

रितिका नायक ने फिल्मों में कुछ चुनिंदा परियोजनाओं में काम किया है, लेकिन उन्हें हमेशा ऐसे किरदार की तलाश थी जिसमें गहराई और चुनौती हो। 'मिराई' में उन्हें वह अवसर मिला। उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार की ऊर्जा, गहराई और आध्यात्मिक तीव्रता से दर्शकों को प्रभावित किया। उन्होंने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'अर्जुन कल्याणम' में डेब्यू के बाद से वह हमेशा मजबूत किरदार की तलाश में थीं और 'मिराई' ने उन्हें वह अवसर दिया।

रितिका ने 2022 में फिल्म 'अशोक वनम में अर्जुन की शादी' से अभिनय डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके पात्र को दर्शकों ने सराहा, लेकिन भूमिका अधिक सीमित थी। इसके बाद उन्होंने सुपरस्टार नानी के साथ फिल्म में काम किया, जिसमें उनका पात्र छोटा था।

रितिका का जन्म दिल्ली में एक मध्यम वर्गीय ओडिया परिवार में हुआ। उनका परिवार ग्लैमर या अभिनय की दुनिया से दूर था, लेकिन रितिका बचपन से ही अभिनय में रुचि रखती थीं। दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने अभिनय और मॉडलिंग में कदम रखा। कॉलेज में मॉडलिंग प्रतियोगिता जीतने के बाद उनके लिए फिल्म और मॉडलिंग उद्योग में रास्ते खुल गए।

दो दिनों में 27 करोड़ की कमाई!

मिराई ने बॉलीवुड को भी छोड़ा पीछे

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ के स्टार तेजा सज्जा की फिल्म 'मिराई' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। बीते शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म ने केवल 2 दिनों में ही 27 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और यह हिट की रेस में शामिल होती नजर आ रही है।

'मिराई' ने पहले दिन 13 करोड़ रुपये का ओपनिंग कलेक्शन किया, जबकि दूसरे दिन 14.5 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की गई। सेकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार फिल्म की कमाई का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है और इसे पहले ही सप्ताह में बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है।

सिर्फ बॉक्स ऑफिस ही नहीं, बल्कि फिल्म की कहानी और प्रदर्शन को भी दर्शकों ने सराहा है। आईएमडीबी पर 'मिराई' को 8 प्वाइंट की रेटिंग दी गई है। फिल्म की कहानी 9 धार्मिक स्तंभों की रक्षा करने वाले एक योद्धा के इर्द-गिर्द घूमती है। यह एक्शन और साइंस फिक्शन के मिश्रण से भरपूर थ्रिलर है।

तेजा सज्जा पहले भी साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार्स की तरह उभर चुके हैं। उनकी पिछली फिल्म 'हनुमान' ने महज 30 करोड़ रुपये के बजट में 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रचा था। 'मिराई' में भी तेजा ने अपने दमदार एक्शन और परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है।

इसी दौरान रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'एक चतुर नार' पहले दिन केवल 1 करोड़ रुपये की कमाई कर सकी और 'मिराई' के मुकाबले पीछे रह गई।

साउथ की इस फिल्म ने साबित कर दिया है कि तेजा सज्जा के दमदार अभिनय और फिल्म की कहानी दर्शकों को कितना आकर्षित कर सकती है। अब यह फिल्म हिट की रेस में आगे बढ़ते हुए रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रही है।

महिला क्रिकेटर ने 150 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए

हरमनप्रीत कौर बनी भारत की तीसरी खिलाड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच (ओडीआई) क्रिकेट में एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के खिलाफ 14 सितंबर से शुरू हुई 3 मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत ने न सिर्फ टीम का नेतृत्व किया, बल्कि अपने 150वें मैच का आंकड़ा भी पार कर लिया।

इस कारनामा के साथ हरमनप्रीत भारत की तीसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच में 150 या उससे ज्यादा मुकाबले खेले हैं। उनसे पहले इस मुकाम तक मिताली राज और झूलन गोस्वामी पहुँच चुकी हैं। मिताली राज और झूलन गोस्वामी ने 200 से ज्यादा मैच खेलकर रिकॉर्ड बनाया है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इस खास मौके पर सोशल मीडिया पर हरमनप्रीत को बधाई देते हुए एक वीडियो भी साझा किया।

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 150 मैच खेलने वाली हरमनप्रीत सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर सिर्फ 10वीं महिला क्रिकेटर हैं। इससे पहले यह कारनामा चार्लोट एडवर्ड्स, सूजी बेट्स, स्टेफनी टेलर, एलिस पेरी, मिग्नॉन डू प्रीज, सोफी डिवाइन और मारिजैन काप जैसी दिग्गजों ने किया है।

करियर के आंकड़ों पर नजर डालें तो हरमनप्रीत कौर ने एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच में 37.67 के औसत से 4000 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 19 अर्धशतक शामिल हैं। भारतीय महिला क्रिकेट में 4000 से अधिक रन बनाने वाली वह सिर्फ तीसरी खिलाड़ी हैं, जिनसे पहले मिताली राज (7805) और स्मृति मंधाना (4588) हैं। श्रृंखला के पहले मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा जैसी प्रमुख बल्लेबाज शामिल हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एलिसा हीली की कप्तानी में मैदान पर उतरी है। हरमनप्रीत कौर की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए भी गर्व का पल है। उनके नेतृत्व में टीम इंडिया से उम्मीद है कि इस श्रृंखला में भी बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

इस प्रकार, हरमनप्रीत कौर का नाम न केवल भारत, बल्कि विश्व महिला क्रिकेट के ऐतिहासिक आंकड़ों में भी दर्ज हो गया है, और वह युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं।

सलमान खान ने 15 साल के गायक जोनस कोनर की तारीफ की

गानों में व्यक्त दर्द को बताया अद्भुत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान हाल ही में लद्दाख में अपनी फिल्म द बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग में व्यस्त हैं, लेकिन उन्होंने 15 साल के अमेरिकी गायक जोनस कोनर की तारीफ कर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का ध्यान खींचा। सलमान ने जोनस की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह गिटार बजाते हुए नजर आ रहे हैं, और लिखा, "कभी किसी 15 साल के बच्चे को अपना दर्द इतनी खूबसूरती से व्यक्त करते नहीं देखा। भगवान तुम्हारा भला करे।"

सलमान ने जोनस के तीन गाने- फादर इन ए बाइबल, पीस विथ पेन, और ओह अप्पालाचिया-को अपनी प्लेलिस्ट में शामिल किया और फैंस से ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करने की अपील की। जोनस की संगीत शैली फोक और कंट्री का मिश्रण है और उनके गाने व्यक्तिगत संघर्ष और भावनाओं को गहराई से व्यक्त करते हैं। जोनस की यह तारीफ न केवल उनके लिए बल्कि अन्य युवा कलाकारों के लिए भी प्रेरणादायक है।

यूपी में आईवीआरआई ने बनाई 1 रुपये की सेंसर किट

बताएगी मांस ताजा है या बासी

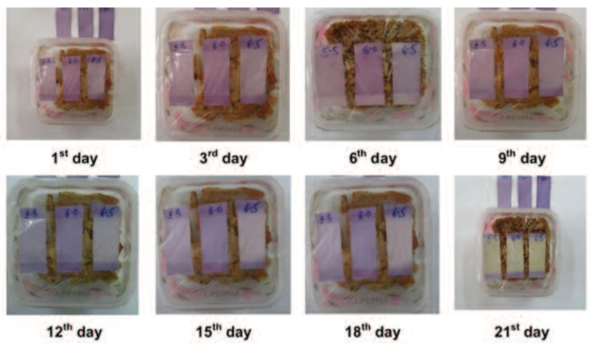

यूनिक समय, बरेली। मॉल या दुकानों में बिकने वाले पैकेटबंद और खुले मांस की गुणवत्ता अब चंद मिनटों में जानी जा सकेगी। बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के वैज्ञानिकों ने ऐसी पौध-आधारित सेंसर किट तैयार की है, जिसकी कीमत मात्र 1 रुपये है। यह किट मीट ताजा है या बासी, इसका तुरंत संकेत देगी।

आईवीआरआई के पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग की वैज्ञानिक सुमन तालुकदार के अनुसार, पैकेटबंद मांस की गुणवत्ता पर अक्सर सवाल उठते हैं। पहले देश में मौजूद रासायनिक किट्स खाद्य पदार्थ के संपर्क में आकर हानिकारक हो सकते थे। इसी वजह से वर्ष 2017 से पौध-आधारित संकेतक किट पर शोध शुरू हुआ। पांच साल की मेहनत के बाद पहली बार यह बुद्धिमान पैकेजिंग सेंसर तैयार हुई। सेंसर किट का प्रयोग सरल है। पैकेटबंद मांस के पैकेट पर लगा सेंसर खराब मांस के संपर्क में आने पर लाल से पीले रंग में बदल जाएगा। हल्का हरा रंग आने पर समझना होगा कि मांस खराब होने के कगार पर है। दुकानों पर खुले मांस के लिए दूसरी किट तैयार की गई है, जो कागज जैसी पट्टी में आती है। मांस का थोड़ा हिस्सा पानी में मिलाकर इसमें डाला जाए तो शुद्ध मांस पर रंग नहीं बदलेगा, जबकि बासी मांस से रंग नीला हो जाएगा। आईवीआरआई के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त के मार्गदर्शन में किट का व्यवसायीकरण भी शुरू किया जाएगा। सेंसर की कीमत इतनी कम इसलिए रखी गई है क्योंकि इसे फूल-पत्तियों और फलों से बनी रंग सामग्री से बनाया गया है। देश में बिकने वाले मांस में 50% हिस्सेदारी चिकन की है, इसलिए किट के विकास में चिकन मीट पर विशेष शोध किया गया।

इस किट से उपभोक्ताओं को मांस की गुणवत्ता पर भरोसा मिलेगा और मिलावटी या खराब मांस से होने वाले स्वास्थ्य जोखिम कम होंगे।

अमेठी: पत्नी ने प्रेमी को नहीं छोड़ा, पति ने करा दी उसकी शादी

यूनिक समय, अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कमरौली क्षेत्र में एक अनोखा मामला सामने आया है। शिवशंकर नाम के युवक ने अपनी पत्नी उमा की शादी उसके प्रेमी विशाल से करा दी। शादी औद्योगिक क्षेत्र स्थित आदित्य बिड़ला मंदिर में सामाजिक परंपराओं के तहत संपन्न हुई। वरमाला और सिंदूर की रस्म पूरी होने के बाद पति ने स्वयं पत्नी को प्रेमी के साथ विदा किया।

शिवशंकर ने बताया कि उनकी शादी 2 मार्च को रानीगंज निवासी समई प्रजापति की बेटी उमा से हुई थी। विवाह के बाद भी उमा का संपर्क अपने पुराने प्रेमी विशाल से बना रहा। वह मोबाइल पर बातचीत करती रहीं और चोरी-छिपे मुलाकातें भी करती रहीं। शुरू में पति ने पत्नी को समझाने की कोशिश की, लेकिन उमा अपने प्रेमी के साथ संबंध नहीं छोड़ना चाहती थी।

समय के साथ घर में विवाद बढ़ता गया। 29 मई को उमा मायके चली गई और कई महीनों तक वहीं रही। अगस्त में ससुराल लौटने के बाद भी आदतें नहीं बदलीं। पति ने सोते समय मोबाइल पर प्रेमी से बातचीत करते देखा तो झगड़ा बढ़ गया। मामला पुलिस तक पहुंचा और शिकायत पर दोनों को शांतिभंग की धारा में पाबंद किया गया।

इसके बाद शिवशंकर ने पत्नी से अलग होने का निर्णय लिया। परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में उमा और विशाल का विवाह मंदिर में संपन्न हुआ। रस्मों के बाद उमा को विशाल के साथ विदा किया गया।

गांव और आसपास के लोग इस घटना को लेकर चर्चा कर रहे हैं। कुछ लोग इसे पति की मजबूरी मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे उसकी दिलेरी और समझदारी का उदाहरण बता रहे हैं। घटना ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है और समाज में रिश्तों, विवेक और पारिवारिक जिम्मेदारी के मुद्दों पर नई बहस छेड़ दी है।

15 दिन की बच्ची नदी किनारे जिंदा दफन

रोने की आवाज से हुआ रेस्क्यू

यूनिक समय, शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से रविवार सुबह दिल दहला देने वाला मामला सामने आया। जैतीपुर क्षेत्र में एक 15 दिन की बच्ची को बहगुल नदी के किनारे एक फुट गहरे गड्ढे में जिंदा दबा दिया गया। घटना की जानकारी बकरी चराने गए एक बच्चे को बच्ची की रोने की आवाज सुनाई देने पर मिली। उसने आसपास के लोगों को सूचना दी, जिसके बाद ग्रामीणों ने बच्ची को मिट्टी से बाहर निकाला।

बच्ची गंभीर हालत में राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराई गई है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि बच्ची का एक हाथ मिट्टी से बाहर था और चीटियों के काटने से खून बह रहा था। गड्ढे में सांस लेने के लिए थोड़ा स्थान छोड़ा गया था, जिससे वह जिंदा बच सकी।

सीएचसी प्रभारी डॉ. नितिन सिंह ने बताया कि बच्ची दस से पंद्रह दिन की प्रतीत होती है। थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने कहा कि आरोपी की तलाश की जा रही है। बहगुल नदी की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

घटना ने इलाके में सनसनी मचा दी है और लोगों में गुस्सा और डर दोनों बढ़ा दिया है। ग्रामीणों ने मासूम की जान बचाने वाले बच्चे और स्थानीय लोगों की सराहना की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम और स्थानीय पुलिस को सक्रिय कर दिया है।

यह मामला बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चेतावनी का संकेत भी देता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध घटना की तुरंत जानकारी पुलिस को दें। मासूम बच्ची की हालत अभी गंभीर बनी हुई है और चिकित्सकों की लगातार निगरानी में रखा गया है।

अनुभवी बस चालक वीआईपी गाड़ी चला रहे

नौसिखिए संविदा ड्राइवर हादसों के कारण

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परिवहन निगम के अनुभवी चालक अब बसों की बजाय वीआईपी गाड़ियों और इंटरसेप्टर वाहनों में तैनात हैं। इसके चलते नियमित बस चालक मुख्यालय में ड्यूटी कर रहे हैं और रोडवेज बसों की जिम्मेदारी नौसिखिए संविदा चालकों को दी गई है। इस लापरवाही के कारण कई हादसे हो चुके हैं।

हरदोई से लखनऊ आ रही रोडवेज बस बृहस्पतिवार को काकोरी में हादसे का शिकार हुई थी। जांच में पाया गया कि संविदा चालक बस को तय से अधिक रफ्तार में चला रहा था, जिससे दुर्घटना हुई। इस पर मुकदमा भी दर्ज किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि नियमित चालक बसों को सुरक्षित चलाने में सतर्क रहते हैं, जबकि नए संविदा चालक लापरवाही करते हैं। संविदा चालकों का वेतन भी कम है, नए चालक 15 हजार रुपये में काम कर रहे हैं, जबकि पुराने संविदा चालक 18 हजार रुपये तक कमाते हैं।

लखनऊ परिक्षेत्र में परिवहन निगम का बस बेड़ा एक हजार से अधिक बसों का है, जिसमें कैसरबाग, उपनगरीय, हैदरगढ़, रायबरेली, अवध और चारबाग डिपो शामिल हैं। इन डिपो में करीब 800 नियमित और 1500 संविदा चालक तैनात हैं। नियमित चालक मुख्यालय में वीआईपी गाड़ी, प्रवर्तन दल की गाड़ियां चला रहे हैं, जबकि शारीरिक रूप से अक्षम या दृष्टिहीन चालक चौकीदारी और डीजल भरने जैसे काम कर रहे हैं। संविदा चालक की भर्ती प्रक्रिया कड़ी है। उनके पास भारी वाहन चलाने का तीन वर्ष पुराना लाइसेंस होना अनिवार्य है। भर्ती में प्रशिक्षण, डिपो में व्यावहारिक ड्यूटी और कानपुर स्थित वर्कशॉप में टेस्ट शामिल है। इसके अलावा समय-समय पर मेडिकल जांच और काउंसलिंग भी कराई जाती है। परिवहन निगम ने काकोरी हादसे में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारी यह भी कहते हैं कि संविदा चालक गंभीरता से बसें चलाते हैं, लेकिन वीआईपी और मुख्यालय ड्यूटी के कारण बस संचालन में अनुभवी कर्मचारियों की कमी से हादसों का खतरा बढ़ गया है।

पुलिस ने गौ तस्करों को गोली मारकर किया गिरफ्तार, कारतूस और मवेशी बरामद

यूनिक समय, गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में रविवार की रात पुलिस और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें दो शातिर तस्करों को गोली लगने से घायल होने के बाद गिरफ्तार किया गया। घटना जंगीपुर और बिरनो थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अंजाम दी गई कार्रवाई के दौरान हुई। मुठभेड़ में एक आरोपी फरार होने में सफल रहा। एएसपी ग्रामीण अतुल सोनकर ने बताया कि बिरनो थाना प्रभारी नसरतपुर के पास गश्त कर रहे थे, तभी मरदह से जंगीपुर की ओर जा रहा एक संदिग्ध पिकअप वाहन दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। सूचना मिलते ही जंगीपुर पुलिस भी पीछा करने लगी। भवरहा मोड़ पर बदमाशों ने पुलिस पर जानलेवा हमला किया। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और उन्हें उपचार के लिए सीएचसी बिरनो भेजा गया।

पुलिस ने मौके से दो तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा, एक पिकअप वाहन और चार गोवंश मवेशी बरामद किए। घायल बदमाशों की पहचान संतोष राजभर, निवासी करीमुद्दीनपुर और सोनू यादव, निवासी जमसड़ा, थाना दुल्लहपुर के रूप में हुई है। एएसपी ने बताया कि दोनों पर गाजीपुर, बलिया और बाराबंकी जिलों में गोवध, पशु क्रूरता, गिरोहबंद विरोधी अधिनियम और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। गाजीपुर मुठभेड़ ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की तत्परता को उजागर किया है। ग्रामीणों ने भी कार्रवाई की सराहना की है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि गो तस्करी और पशु क्रूरता जैसी घटनाओं पर कोई भी पाबंद नहीं बचेगा। इस मुठभेड़ से इलाके में कानून व्यवस्था और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, और यह संदेश भी गया है कि तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत-पाक मैच पर भड़के सपा नेता एसटी हसन

शहीदों का अपमान है पाकिस्तान संग क्रिकेट खेलना

यूनिक समय, मुरादाबाद। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले िक्रकेट मैच को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद डॉ. एसटी हसन ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की शहादत और उनके परिवारों की तबाही के बाद पाकिस्तान के साथ िक्रकेट खेलना शहीदों का अपमान है।

एसटी हसन ने संवाददाताओं से कहा, "उनके आंसू अभी सूखे भी नहीं हैं और हम पाकिस्तान के साथ दोस्ताना मैच खेल रहे हैं। आतंकवादी कहां से आते हैं, यह सबको पता है। जो देश हमारे शहीदों का खून बहा रहा है, उसके साथ खेलना सही नहीं है। मैच तो दोस्तों के साथ खेले जाते हैं, दुश्मनों के साथ नहीं।" उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से आग्रह किया कि देशवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए पाकिस्तान के साथ कोई क्रिकेट मुकाबला आयोजित न किया जाए। हसन ने यह भी कहा कि खेल भावना और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

सपा नेता के इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। उनके समर्थकों का मानना है कि यह कदम देशवासियों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए उठाया गया है, जबकि विरोधियों का कहना है कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिए।

इस बीच, एशिया कप के आयोजकों ने सुरक्षा और खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मैच की तैयारी पूरी कर ली है। स्टेडियम और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। टीम इंडिया और पाकिस्तान की टीमें दुबई पहुंच चुकी हैं और दोनों पक्षों ने मैच में जीत के लिए रणनीति तैयार कर ली है।

एसटी हसन का यह विरोध इस बात को उजागर करता है कि पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों और देशवासियों की भावनाएं अभी भी ताजा हैं और उन्हें ध्यान में रखना जरूरी है। राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

सार संक्षेप

बीमा संशोधन विधेयक संसद में पेश हो सकता है

यूनिक समय, नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक आगामी शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है।

नेपाल में सुशीला कार्की ने संभाला प्रधानमंत्री का कार्यभार

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभाल लिया। आज मंत्रिमंडल का विस्तार होने की संभावना है।

जस्टिस एम. सुंदर मणिपुर हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश

यूनिक समय, नई दिल्ली। मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एम. सुंदर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

भारत-पाकिस्तान मैच का देशभर में विरोध

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर देशभर में विरोध देखा जा रहा है। यह पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला मैच है।

तेजस्वी यादव की सुरक्षा में चूक, युवक हेलीकॉप्टर के पास घुसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुजफ्फरपुर में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की सुरक्षा में चूक हुई। एक युवक हेलीकॉप्टर के पास घुसा और यादव के पास लेट गया। बाद में हिरासत में लिया गया।

माता वैष्णो देवी यात्रा 20वें दिन भी स्थगित

यूनिक समय, नई दिल्ली। मौसम और सुरक्षा कारणों से माता वैष्णो देवी यात्रा लगातार 20वें दिन स्थगित रही। बारिश के कारण यात्रा अगले आदेश तक नहीं हो सकी।

हरियाणा पुलिस के सब-इंस्पेक्टर को अपराधी ने गोली मारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जींद में वांछित अपराधी का पीछा करते हुए हरियाणा पुलिस के सब-इंस्पेक्टर पर गोली चलाई गई। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया और फिर एम्स रेफर किया गया।

गढ़चिरौली पुलिस ने 2 लाख के इनामी नक्सली को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। गढ़चिरौली पुलिस ने ताड़गांव के तिरकामेटा वन क्षेत्र में एक सक्रिय माओवादी नक्सली को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र सरकार ने उसकी गिरफ्तारी पर 2 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। यह कार्रवाई नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

असम दौरे पर पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दो दिवसीय असम दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दरांग जिले के मंगलदोई में 6,300 करोड़ रुपये की लागत से बने दरांग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जीएनएम स्कूल और बीएससी नर्सिंग कॉलेज का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा, पीएम मोदी ने गोलाघाट में नुमालीगढ़ रिफाइनरी का दौरा किया और खानापारा में महान गायक भूपेन हजारिका को श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धांजलि अर्पित की। दरांग में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब भूपेन हजारिका को भारत रत्न मिला, तब कांग्रेस अध्यक्ष ने तंज कसा था। पीएम ने इसे अपमान बताते हुए कहा, "मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो बर्दाश्त नहीं कर सकता। 140 करोड़ देशवासी मेरे लिए भगवान हैं।" मोदी ने कांग्रेस पर घुसपैठियों का समर्थन और अवैध कब्जों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन गया है और लोगों को इससे सावधान रहना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की सराहना की और अवैध कब्जों को जमीन मुक्त कराई जाने की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा, "सामान भारत में बना होना चाहिए, पैसा किसी का हो लेकिन मेहनत मेरे देश के नौजवानों की होनी चाहिए। मेड इन इंडिया में भारत की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए।"

मोदी ने विकास, जीएसटी कटौती और नॉर्थ ईस्ट में कनेक्टिविटी पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि नवरात्र से सीमेंट, हेल्थ बीमा, बाइक-कार जैसी चीजों में छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि 10 साल में 6 बड़े पुल बनाए गए, जबकि कांग्रेस के 60-65 साल में केवल 3 पुल बने। 5जी, इंटरनेट, रेल, रोड और हवाई कनेक्टिविटी से पर्यटन और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

इस रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस को चेतावनी दी और देशवासियों से स्वदेशी अपनाने व विकास में सहयोग की अपील की।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मजदूरों के खाते में 5000 रुपये की सौगात

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने प्रदेश के रजिस्टर्ड मजदूरों (श्रमिकों) के खाते में 5000 रुपये देने का फैसला किया है। यह राशि श्रमिकों को कपड़े और पोशाक खरीदने के लिए एकमुश्त दी जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, बिहार सरकार इसकी औपचारिक घोषणा 17 सितंबर को कर सकती है। इस योजना से लगभग 17.5 लाख श्रमिक परिवारों को लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार को अनुमानित 900 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

श्रम विभाग के अनुसार, राज्य में होने वाले निर्माण कार्यों पर 1% लेबर सेस जमा होती है, जिसमें अभी लगभग 3000 करोड़ रुपये मौजूद हैं। यह राशि केवल श्रमिकों के हित में ही खर्च की जा सकती है। सरकार ने इसे देखते हुए चुनाव से पहले मजदूरों को लाभ देने का निर्णय लिया है।

चुनाव से पहले बिहार सरकार और केंद्र सरकार अपने-अपने खजाने खोलकर लोगों को विभिन्न सौगातें दे रही हैं। हाल ही में नौकरी, रोजगार, पेंशन और बिजली बिल में राहत देने के बाद यह योजना भी लागू की गई है। इस कदम को चुनावी तैयारी और जनता से समर्थन जुटाने की रणनीति माना जा रहा है।

टेक्सास ने शरिया कानून पर लगाया बैन, मुस्लिम संगठनों में खलबली

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के टेक्सास राज्य ने शरिया कानूनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। गवर्नर ग्रेग एबाट ने कहा कि टेक्सास में इस्लामी शरिया कानून लागू करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निवासियों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन शरिया कानून थोपने की कोशिश करता है, तो इसकी तुरंत स्थानीय पुलिस या टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी को सूचना दें। एबाट ने इस कानून को लागू करते हुए कहा कि कोई भी व्यवसाय या व्यक्ति "शरिया वाले मूर्खों" से डरने की जरूरत नहीं है।

यह फैसला ह्यूस्टन में मुस्लिम मौलवी द्वारा लाउडस्पीकर पर शराब, सूअर का मांस और लॉटरी टिकट न बेचने की अपील की घटना के बाद आया।

हालांकि, मुस्लिम अधिकार संगठन ने इसे भ्रामक बताया और कहा कि शरिया केवल व्यक्तिगत धार्मिक आचरण से संबंधित है, न कि नागरिक कानून से। एबाट रिपब्लिकन पार्टी के नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। उनके आलोचक कहते हैं कि यह कदम धार्मिक भेदभाव और प्रोफाइलिंग को बढ़ावा दे सकता है।

पहलगाम हमले के पीड़ित परिवार ने सरकार पर उठाए सवाल

मेरे भाई की शहादत बेकार मत करो

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकी हमले में अपने परिजन खो चुके परिवारों ने एशिया कप 2025 के तहत भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध किया है। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें पर्यटक, स्थानीय निवासी और सुरक्षा कर्मी शामिल थे।

पीड़ित परिवारों का कहना है कि उनके जख्म अभी ताजा हैं और मैच खेलना उनकी शहादत का अपमान है। सावन परमार, जिन्होंने अपने 16 वर्षीय भाई और पिता को खोया, ने कहा, "अगर सच में मैच खेलना है तो पहले मेरा भाई वापस लाकर दिखाइए। ऑपरेशन सिंदूर अधूरा रह गया। पाकिस्तान के साथ संबंध क्यों बनाए रखें?"

किरण यतीश परमार ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा सिर्फ दिखावा न बने। परिवारों का कहना है कि मैच न सिर्फ उनकी पीड़ा बढ़ा रहा है, बल्कि देश की सुरक्षा नीतियों पर भी सवाल खड़ा कर रहा है।

विपक्षी दल और पूर्व क्रिकेटरों ने भी मैच का विरोध किया है, लेकिन पीड़ित परिवारों की आवाज सबसे ज्यादा भावुक और दर्द भरी है। सरकार की ओर से अभी तक इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। परिवारों का संदेश साफ है: "शहादत का अपमान मत करो और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत बनाओ।"

गुजरात की फैक्ट्री में भीषण आग

मौके पर 15 से अधिक दमकल वाहन पहुंचे

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के भरूच जिले के पानौली जीआईडीसी इलाके में स्थित संघवी ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड केमिकल फैक्ट्री में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की और 15 से अधिक दमकल वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग सुबह करीब 8 बजे शुरू हुई, जो संभवतः किसी रासायनिक प्रतिक्रिया या शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। आग की लपटें आसमान छू रही हैं और घने काले धुएं का गुबार पूरे इलाके को ढक चुका है। इससे आसपास के गांवों और औद्योगिक क्षेत्र में दहशत फैल गई। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, धुएं के कारण निवासियों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जा रहा है।

अब तक किसी प्रकार की जानमाल की हानि की खबर नहीं है। गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और पर्यावरणीय प्रभावों की जांच कर रही है।

स्थानीय पुलिस ने फैक्ट्री के आसपास के क्षेत्र को सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। आग के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया जा सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और बचाव कार्यों में सहयोग करें।

दमकलकर्मी और सुरक्षा एजेंसियां स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पूरी तरह जुटी हैं, और आग बुझाने की कोशिशें जारी हैं।

जेपी नड्डा का ऐलान

14 करोड़ सदस्यों के साथ बीजेपी बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित रैली के दौरान ऐलान किया कि 14 करोड़ सदस्यों के साथ बीजेपी अब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। उन्होंने बताया कि इसमें से दो करोड़ सक्रिय सदस्य हैं।

जेपी नड्डा ने पार्टी की ताकत का आंकड़ा भी साझा किया। उन्होंने कहा कि देशभर में बीजेपी के 240 सांसद (लोकसभा) हैं, लगभग 1,500 विधायक हैं और विधान परिषदों में 170 से ज्यादा सदस्य हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के 13 राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं, जबकि एनडीए सरकारें कुल 20 राज्यों में काम कर रही हैं। नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में बीजेपी सरकार के कार्य-निष्पादन और जवाबदेही को सराहा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में अकार्य-निष्पादन की राजनीति होती थी और विकास कार्यों को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने बताया कि पहले तुष्टीकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति होती थी, जबकि भाजपा एक वैचारिक पार्टी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए विकास कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के निर्माण के लिए केंद्र ने 15,000 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की है।

जेपी नड्डा ने पार्टी के सदस्यों और समर्थकों से आह्वान किया कि वे देश की सेवा और भाजपा के विकास मिशन में सक्रिय रूप से भाग लें। उनका कहना था कि 14 करोड़ सदस्य सिर्फ संख्या नहीं बल्कि भाजपा की मजबूत जड़ें और व्यापक जनसमर्थन को दर्शाते हैं।

इस रैली में नड्डा ने पार्टी के संगठनात्मक विस्तार, कार्यकुशल नेतृत्व और देशभर में बीजेपी की बढ़ती लोकप्रियता पर जोर देते हुए इसे लोकतंत्र की सबसे बड़ी और प्रतिनिधि पार्टी बताया।

भारत-पाक मैच पर मुंबई के होटलों को धमकी, शिवसेना नेता ने किया विरोध

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में दुबई में आज होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर मुंबई में विवाद तेज हो गया है। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता शरद कोली ने होटलों को खुली धमकी दी है कि अगर मैच दिखाया गया तो स्क्रीन तोड़ दी जाएगी। कोली ने कहा, "खून और खेल साथ कैसे? अगर सरदार पटेल आज होते तो ऐसा नहीं होने देते।" पार्टी ने पूरे महाराष्ट्र में 'सिंदूर रक्षा आंदोलन' की घोषणा की है। उद्धव ठाकरे और संजय राउत ने मोदी सरकार और बीसीसीआई पर निशाना साधते हुए मैच को गलत संदेश देने वाला बताया। कुछ क्रिकेट प्रेमियों ने पहले ही टीवी तोड़ दिए हैं और सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में मैच दोपहर 2 बजे शुरू होगा, लेकिन भारत में इसका प्रसारण विवादों के घेरे में है।

महुअन गांव का अजीब मामला

कर्ज लौटाने से बचने के लिए मंदिर में उठाई सौगंध

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। अब लोग आस्था पर भी चोट करने से बाज नहीं आ रहे हैं। एक ऐसा ही मामला क्षेत्र के गांव महुअन में सामने आया है। जब ग्रामीण ने मंदिर का दरवाजा खोलकर सौगंध खा ली और पैसा देने से इनकार कर दिया। मामला 2021 का है। गांव के एक व्यक्ति के यही के हाकिम ड्राइवर पर रुपये थे। उसने रुपये अपनी लड़की की शादी में यह कहकर लिए थे कि उसके पास सेवला आगरा में एक प्लॉट है। शादी के बाद दो महीने में प्लॉट बेचकर रुपये चुका देगा। विश्वास कर उसे पड़ोसी ने रुपये दे दिए। जब रुपये लौटाने का समय आया तो हाकिम टालमटोल करने लगा। इस बाबत पिछले वर्ष एक पंचायत भी हुई थी। इसमें पंचों के सामने उसने रुपये लौटाने की बात कही। लेकिन पंचायत की अवेहलना कर उसने पीड़ित को

एक साल पहले गांव में हुई पंचायत में पैसे देना स्वीकारा था

अब सौगंध खाकर पैसे देने से इनकार किया

कोई रुपये नहीं दिए। उल्टे झूठे आरोप मढ़ने लगा। हार थक कर पीड़ित ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया। ऊपर भी शिकायत की। पुलिस का दबाव देख पहले तो गायब हो गया। दूसरे दिन फिर पुलिस ने सख्ती की तो रुपये देने से मुकर गया। लोगों ने उसका रुपये न लौटाने की मंशा देखी तो आस्था पर बात आ गई और पुलिस के सामने मंदिर में गंगा जल लेकर सौगंध खाने का प्रस्ताव रखा। उसने मंदिर के दरवाजे खोलकर सौगंध उठा ली। इस वाकए की क्षेत्र में खासी चर्चा रही।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने गोकुल बैराज का किया निरीक्षण

गोकुल बैराज का निरीक्षण करते यूपी के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह।

कार्यालय प्रतिनिधि

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शनिवार को यहां आए। उन्होंने गोकुल बैराज का निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाओं को परखा एवं दिशा निर्देश दिए। सिंचाई विभाग एवं बैराज की अधिकारियों के साथ विधायक पूरन प्रकाश ने जल शक्ति मंत्री का बुके भेंट कर एवं पटुका पहनाकर स्वागत किया। जल शक्ति मंत्री ने बैराज प्रांगण में अपनी मां के नाम पर एक पौधा भी रोपित कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

विभागीय अधिकारियों से बात करते हुए उन्होंने बीते दिनों मथुरा में आई बाढ़ को लेकर भी जानकारी प्राप्त की। आगरा की ओर बैराज के माध्यम से छोड़े जाने वाले पानी को लेकर की जानकारी प्राप्त की। मीडिया से बात करते हुए जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल्द ही यमुना जल शुद्धिकरण को लेकर किए जाने वाले कार्यों को लेकर भी जानकारी दी।

चंपा अग्रवाल के शताब्दी समारोह में जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे सम्मानित

चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज के शताब्दी समारोह में जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे को सम्मानित करते पूर्व ऊर्जा मंत्री रविकांत गर्ग के साथ अन्य पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज के शताब्दी समारोह में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच समाज सेवा के क्षेत्र में अलग पहचान बना चुके जल पुरुष और उद्योगपति प्रमोद गर्ग कसेरे को सम्मानित किया गया। यूपी के पूर्व ऊर्जा मंत्री रविकांत गर्ग समेत अन्य पदाधिकारियों ने प्रमोद गर्ग कसेरे द्वारा समाज सेवा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कहा कि श्री गर्ग ने जल संकट से परेशान लोगों को हमेशा पीने का पानी उपलब्ध कराया। अग्निकांडों पर काबू पाने के लिए अग्नि शमन दल के सहयोग को अपने यहां से पानी से भरे टैंकर उपलब्ध कराए। बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए पानी से भरे टैंकर भिजवाए।

जेसीआई मथुरा पंखुड़ी ने वृद्धाश्रम में सेवा कार्य कर बांटी खुशियाँ

वृद्धाश्रम में वृद्ध माताओं के साथ जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा पंखुड़ी ने जेसी वीक के अंतर्गत वृद्धाश्रम जाकर भोजन, फल, सब्जी, मिठाई और कपड़ों का वितरण किया। इस सेवा कार्य से वृद्धजन प्रसन्न और भावुक हुए, वहीं सदस्यों को भी सेवा से संतोष की अनुभूति हुई। कार्यक्रम के दौरान पंखुड़ी की महिला सदस्यों ने 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को जेसीआई की सदस्यता हेतु आमंत्रित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जेसी रितिका अग्रवाल, सचिव सुरभि गर्ग और कोषाध्यक्ष देवांगी खंडेलवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहीं। राखी, अर्चना, अनीता, कंचन, नलिशा, सोनल, मीनल, रेवा, डॉ. शिवानी, रेखा, परिधि, मेघा, प्रिया, प्रियंका, कनिका, शिल्पी, रीना, निधि, सपना, जोनिका, अमिता, नीलम, दीपिका आदि ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग दिया।

कौन है पुलिसवर्दी पहने युवक

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में पुलिस की वर्दी और कैप लगाए एक युवक का चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों की मानें तो यह युवक धमकाने जैसा का काम करते देखा गया है। हर कोई इसे पुलिस महकमे का समझ रहा है। लोगों ने इसकी शिकायत करने का मन बनाया है। इससे पहले पुलिस महकमे को इस युवक के बारे में भी जांच करनी चाहिए कि यह पुलिस की वर्दी क्यों पहन रहा है और थाना प्रभारी की कैप क्यों पहन रहा है।

खाकी वर्दी पहने युवक।

विधायक श्रीकांत ने सुनी कॉलोनीवासियों की समस्याएं

विधायक श्रीकांत शर्मा का स्वागत करते कॉलोनीवासी।

यूनिक समय, मथुरा। विधायक श्रीकांत शर्मा ने पुष्पांजलि उपवन में पहुंचकर कॉलोनीवासियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। दौरे की शुरुआत उन्होंने मंदिर में दर्शन-पूजन से की। कॉलोनीवासियों ने सीवर लाइन व जलभराव, टूटी-फूटी सड़कों की मरम्मत, पार्कों के सौंदर्यीकरण, पेयजल आपूर्ति की अनियमितता और बिजली संबंधी परेशानियों की जानकारी दी। विधायक ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि 100 फुट रोड और अन्य आंतरिक सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। साथ ही मंदिर तक सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी तथा कॉलोनी के सभी पार्कों का विकास व सौंदर्यीकरण जल्द कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि

शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

कॉलोनीवासियों की मांग पर 100 फुटा होली चौराहे पर हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था पहले ही करा दी गई है। पुष्पांजलि उपवन परिवार ने विधायक का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हरिओम तिवारी, महेश शर्मा, जवीर सिंह, राजकुमार चौधरी, सतेंद्र यादव, कन्हैया अग्रवाल, अजय शर्मा, अजय उपाध्याय, शैलेंद्र गौतम, गजेन्द्र यादव, दिलेर शर्मा, देवेंद्र मिश्रा, अधारम तिवारी, मुकेश, सुरेश, अनिल भाटी, हरेश, हरीश, राधारमण तिवारी, महावीर सिंह, अरविंद चौधरी व बोला पहलवान सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

UNICOM ADVERTISING
Accredited by: INS INDIA NEWSPAPER SOCIETY
Unicom Digital — Digital Marketing Company
यूनिक समय — हर खबर समय पर...
Info@unicomadvertising.com | Unicomadvertising.com 9837155888, 9837115157
MATHURA | NEW DELHI | AGRA | LUCKNOW | NOIDA | DEHRADUN

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053